राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,23 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–391 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत मनपा के उधना ज़ोन–बी में

जनता परेशान, इस विभाग से

दीपावली और होली पर अधिकारी लेते क्या मुलाकात ?

1-जीवन में पानी का महत्व लेकिन पानी की समस्याएं

2-स्वस्थ जीवन जीने का हर नागरीक का अधिकार उसका भी खुल्लेआम हो रहा उल्खंन

3- BUC बिना की बिल्डिंग, फिर भी चल रहे अस्पताल

4- फ़ायर NOC के बिना चल रहे अस्पताल, दुकान

5-गुजरात हाईकोर्ट में चल रहे केस पर अधिकारी कर रहे मजा

जबाबदेही किसी की,जनता माँग जवाब

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

किस अधिकारी की बेनामी संपत्ति हुई बेमिसाल ?

6-अवैध बिल्डिंग में क्यों मारे सील ?
फिर क्यों खुले गई सील

7-सुडा के पास से मिले अवैध निर्माण पर कार्यवाही क्यों नही ?

8-सुरत मनपा कमिश्नर की कब होगी जनता के समस्याओं पर नजर ?

9 क्या अस्पताल,मेडीकल स्टोर का रजिस्टेशन हुआ या अवैध रूप से चलरहे ?

10- नशीलेदवा और अवैध रूप के करोबार?

11-अवैध कारोबार के लिए मशहूर हुआ उधना बी ज़ोन

12-खुले गई सील के संबंधित कोई भी परिपत्र विभाग में नही तो किए सील खुले ? सेटिंग्स & भष्टाचार

गुजरात हाईकोर्ट में अधिकारीयों के खिलाफ़ कोर्ट की अवमानना के आरोपी होने के बावजुद अभी तक नोकरी में क्यों ? सेटिंग्स & भष्टाचार ?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है - एलिशिया मेकेडो

संपादकीय

शिवमोगा में तनाव

सांप्रदायिकता जब अपना खेल खेलती है, तो आमतौर पर यही होता है। चंद दिनों के भीतर ही पूरा कर्नाटक सूखे फूस के ढेर-सा लगने लगा है, जहां हर चिनगारी अब डराती है और हर घटना आग में घी डालती हुई दिखती है। राज्य के शिवमोगा जिले में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की हत्या के बाद पूरे कर्नाटक में जो तनाव सतह पर उभर आया है, वह पूरे देश में ही सिहरन पैदा कर रहा है। उत्तर प्रदेश में, जहां इस समय विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, वहां इस तरह की खबरें नई परेशानियां भी खड़ी कर सकती हैं। हम अभी नहीं जानते कि इस हत्या का ठीक-ठीक कारण क्या था, लेकिन जो हालात हैं, उनमें इस मामले को राज्य में चल रहे हिजाब-विवाद से जोड़कर देखा जाना स्वाभाविक है। अगर यह मामला हिजाब विवाद से नहीं भी जुड़ा हो, तब भी यह विवाद को और भड़काने का काम तो करेगा ही। और अगर यह हत्याकांड हिजाब विवाद से जुड़ा है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि राजनीति एक बेवजह विवाद को निर्ममता की हद तक खींचकर ले गई है। देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं, जो इसे किसी भी तरह हिजाब विवाद से जोड़ना चाहेंगे, क्योंकि उनके राजनीतिक हित ऐसे ही विवादों से सधते हैं। यही वजह है कि पुलिस किसी नतीजे पर पहुंचे, उससे पहले ही आरोपों का ढेर लग गया है। प्रशासन ऐसे मौकों पर खास तरह से काम करता है और उस तरह के कदम उठाए जाने की खबरें भी आ रही हैं। मूल रूप से यह विवाद स्कूल, कॉलेजों से शुरू हुआ था, इसलिए ऐसे सभी शिक्षण संस्थानों को फिलहाल बंद कर दिया गया है। सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। जिन इलाकों में तनाव बढ़ने की आशंका है, पुलिस ने उन सभी इलाकों की बैरीकेडिंग कर दी है। ऐसे प्रयासों के पीछे दरअसल कोशिश यही रहती है कि अगर कुछ लोगों में गुस्सा है या फिर किसी किस्म की अफवाहें वगैरह अगर लोगों को उत्तेजित कर रही हैं, तो टकराव की आशंकाओं को लगातार कम किया जाए। लेकिन ऐसे ही मौके पर हमें राज्य के एक मंत्री का ऐसा बयान सुनाई देता है, जो प्रशासन के इन प्रयासों पर पानी फेर सकता है। बेशक, आग में घी डालने वाले और भी हैं। कर्नाटक में पिछले कुछ दिनों से जो कुछ हो रहा है, वह बताता है कि किसी भी तनाव के बाद शांति कायम करने वाले लोग समाज में लगातार कम होते जा रहे हैं। पक्ष और विपक्ष के ऐसे बयान लगातार ही सुनाई दे रहे हैं, जो विवाद को किसी भी तरह से ठंडा नहीं होने देंगे। इन सबकी शह पर कुछ ऐसे संगठन भी सक्रिय हैं, जो एक नितांत संवेदनशील मुद्दे का निपटारा सड़कों पर ही कर लेना चाहते हैं। समाज के बुद्धिजीवी तबके ने भी सब कुछ अदालत के भरोसे छोड़ दिया है। मुमकिन है कि अदालत हिजाब विवाद को किसी अंजाम तक पहुंचा दे, लेकिन इस बीच जो तनाव बढ़ेगा, हो सकता है, कल को वह भड़कने का कोई और बहाना खोज ले। इसलिए प्राथमिकता इसी तनाव को घटाने की होनी चाहिए। अचानक ही हमारा पूरा समाज उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां सहिष्णुता की बात करने वाले लोग बहुत कम हो गए हैं। इन स्थितियों को अगर जल्दी से जल्दी नहीं बदला गया, तो आज हम जो कर्नाटक के स्तर पर देख रहे हैं, वही हालात हमें देश के दूसरे हिस्सों में भी परेशान कर सकते हैं।

आज के कार्टुन

आत्म विकास

श्रीराम शर्मा आचार्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए प्रात- उठने से लेकर सोने तक की व्यस्त दिनचर्या निर्धारित करें। उसमें उपार्जन, विश्राम, नित्य कर्म, अन्यान्य काम- काजों के अतिरिक्त आदर्शवादी परमार्थ प्रयोजनों के लिए एक भाग निश्चित करें। साधारणतया आठ घण्टा कमाने, सात घण्टा सोने, पांच घण्टा नित्य कर्म एवं लोक व्यवहार के लिए निर्धारित रखने के उपरांत चार घंटे परमार्थ प्रयोजनों के लिए निकालना चाहिए। इसमें भी कटौती करनी हो, तो न्यूनतम दो घंटे तो होने ही चाहिये। इससे कम में पुण्य परमार्थ के, सेवा साधना के सहारे बिना न सुसंस्कारिता स्वभाव का अंग बनती है और न व्यक्तित्व का उच्चस्तरीय विकास संभव होता है। आजीविका बढ़ानी हो तो अधिक योग्यता बढ़ाएं। परिश्रम में तत्पर रहें और उसमें गहरा मनोयोग लगाएं। साथ ही अपव्यय में कठोरतापूर्वक कटौती करें। सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत समझें। अपव्यय के कारण अहंकार, दुर्व्यसन, प्रमाद बढ़ने और निंदा, ईर्ष्या, शत्रुता पल्ले बांधने जैसी भयावह प्रतिक्रियाओं के अनुमान लगाएं। सादगी प्रकारान्तर से सज्जनता का ही दूसरा नाम है। औसत भारतीय स्तर का निर्वाह ही अभीष्ट है। अधिक कमाने वाले भी ऐसी सादगी अपनाएं जो सभी के लिए अनुकरणीय हो। ठाट-बाट प्रदर्शन का खर्चीला ढकोसला समाप्त करें। अहर्निश पशु प्रवृत्तियों को भड़काने वाले विचार ही अंतराल पर छाये रहते हैं। अभ्यास और समीपवर्ती प्रचलन मनुष्य को वासना, तृष्णा और अहंकार की पूर्ति में निरत रहने का ही दबाव डालता है। सम्बन्धी मित्र परिजनों के परामर्श प्रोत्साहन भी इसी स्तर के होते हैं। लोभ, मोह और विलास के कुसंस्कार निकृष्टता अपनाए रहने में ही लाभ तथा कौशल समझते हैं। ऐसी ही सफलताओं को सफलता मानते हैं। इसे एक चक्रव्यूह समझना चाहिये। भव-बंधन के इसी घेरे से बाहर निकलने के लिए प्रबल पुरुषार्थ करना चाहिये। कुविचारों को परास्त करने का एक ही उपाय है- प्रज्ञा साहित्य का न्यूनतम एक घंटा अध्ययन अध्यवसाय। इतना समय एक बार न निकले तो उसे जब भी अवकाश मिले, थोड़ा-थोड़ा करके पूरा करते रहना चाहिये। यही है व्यक्तित्व के कुछ सिद्धांत।

अब खेतों में भी उगेगी वैक्सीन

मुकुल व्यास

चौंकिए मत। वैज्ञानिक ऐसी वैक्सीन बना रहे हैं जिन्हें खेतों में उगाया जा सकेगा और खाद्य वस्तुओं की तरह खाया जा सकेगा। अमेरिका में रिवरसाइड स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीआर) के वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या लेटस (सलाद) पत्तों को एमआरएनए वैक्सीन की फैक्टरियों में बदला जा सकता है। कोविड वैक्सीनों में प्रयुक्त मैसेंजर आरएनए या एमआरएनए टेक्नोलॉजी में मुख्य रूप से कोशिकाओं को रोगाणुओं को पहचानने और संक्रामक रोगों से बचाव करने के बारे में शिक्षित किया जाता है। इस टेक्नोलॉजी के प्रयोग में सबसे बड़ी चुनौती इसे परिवहन और स्टोरेज के दौरान ठंडा रखने की है। वैक्सीन के स्थायित्व के लिए निम्न तापमान जरूरी है। यदि विज्ञानियों का नया प्रोजेक्ट सफल हो जाता है तो पौधों पर आधारित खाने योग्य एमआरएनए वैक्सीन इस समस्या को दूर कर सकती है। इस तरह की वैक्सीनों को कमरे के तापमान पर स्टोर किया जा सकता है। अमेरिका की नेशनल साइंस फाउंडेशन से पांच लाख डॉलर के अनुदान से शुरू किए गए प्रोजेक्ट के तीन मुख्य उद्देश्य हैं। पहला, क्या एमआरएनए से युक्त डीएनए को पौधे की कोशिकाओं के उस हिस्से में पहुंचाया जा सकता है जहां वह रिप्लीकेट कर सके। दूसरा, यह सिद्ध करना कि पौधे एक पारंपरिक वैक्सीन की बराबरी करने के लिए समुचित एमआरएनए उत्पन्न कर सकते हैं और तीसरा, पौधा आधारित वैक्सीन की सही खुराक का निर्धारण। यूसीआर में वनस्पति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर जुआन पाब्लो गिराल्डो ने कहा कि एक पौधे द्वारा उत्पादित एमआरएनए से एक व्यक्ति को वैक्सीन की खुराक दी जा सकेगी। गिराल्डो इस शोध का नेतृत्व कर रहे हैं। इस शोध में सेन डियागो स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के विज्ञानी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हम पालक और लेटस के साथ नयी टेक्नोलॉजी का परीक्षण कर रहे हैं। हमारी कोशिश यह रहेगी कि लोग आगे चल कर अपने बगीचों में ही वैक्सीन के पौधे उगाएं। भविष्य में किसान भी अपने सारे खेत में वैक्सीन वाले पौधे उगा सकते हैं। इस टेक्नोलॉजी में सबसे अहम भूमिका पौधे की कोशिकाओं में पाए जाने वाले क्लोरोप्लास्ट की है। क्लोरोप्लास्ट सूरज की रोशनी को ऊर्जा में बदल देते हैं, जिसका प्रयोग पौधा करता है। ये दरअसल सौर ऊर्जा से चलने वाली सूक्ष्म फैक्टरियां हैं जो शुगर और दूसरे मॉलिक्यूल उत्पन्न करती हैं, जिनसे पौधे का विकास होता है। इन फैक्टरियों का प्रयोग वांछित मॉलिक्यूल उत्पन्न करने के लिए भी किया जा सकता है। पिछले अध्ययनों में गिराल्डो यह दर्शा चुके हैं कि क्लोरोप्लास्ट ऐसे जीनों को अभिव्यक्त कर सकता है जो स्वाभाविक रूप से पौधे का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने और उनके सहयोगियों ने पौधों की कोशिकाओं में बाहरी आनुवंशिक सामग्री भेज कर ऐसा कर दिखाया। अपने प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने नैनो इंजीनियरिंग की प्रोफेसर निकोल स्टीनमर्ट्ज से सहयोग लिया। स्टीनमर्ट्ज और उनके सहयोगियों ने आनुवंशिक सामग्री को क्लोरोप्लास्ट में पहुंचाने के लिए नैनो टेक्नोलॉजी विकसित की है। स्टीनमर्ट्ज ने बताया कि हम पौधों में जीन पहुंचाने के लिए पौधों के वायरसों का प्रयोग करना चाहते हैं जो कुदरती रूप से पाए जाने सूक्ष्म कण अथवा नैनो पार्टिकल हैं। इन वायरसों को क्लोरोप्लास्ट में पहुंचाने और उन्हें पौधों के प्रति असंक्रामक बनाने के लिए कुछ तकनीकी फेरबदल की जरूरत पड़ती है। कुछ वैज्ञानिकों का ख्याल है कि हमें पौधों पर आधारित वैक्सीन विकसित करने के लिए अधिक प्रयास करने चाहिए। कनाडा में क्यूबेक स्थित लवाल विश्वविद्यालय के दो शोधार्थियों, फास्टर-बोवेंडो और गेरी कोबिंगर का कहना है कि इस तरह की वैक्सीन 'मॉलिक्यूलर फार्मिंग' के जरिए बनाई जा सकती है। इस विधि में पौधे की कोशिका में डीएनए रखा जाता है जो प्रोटीन बनाता है। इस कोशिका का उपयोग वैक्सीन बनाने के लिए किया जाता है। वैज्ञानिक मान्यता प्राप्त वैक्सीनों के अलावा और अधिक प्रभावी वैक्सीन की तलाश में जुटे हुए हैं। उनकी कोशिश एक ऐसी समग्र वैक्सीन विकसित करने की है जो सभी तरह के कोरोना वायरसों के खिलाफ प्रभावी सिद्ध हो। वैक्सीनें आम तौर पर बैक्टीरियाई सिस्टम में उत्पन्न की जाती हैं और वे बहुत असरदार साबित हुई हैं। ऐसे सिस्टम को बायोरिएक्टर भी कहा जाता है। ऐसी वैक्सीनों की उत्पादन लागत बहुत ज्यादा होती है। वैक्सीन की बायोमैन्युफैक्चरिंग के विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 1986 में मॉलिक्यूलर फार्मिंग का प्रस्ताव रखा था। इसके लिए वैज्ञानिकों को सिर्फ ग्रीनहाउस सेटअप की आवश्यकता पड़ती है जो बायोरिएक्टरों की तुलना में बहुत सस्ते पड़ते हैं। रिसर्चरों का कहना है कि पौधों पर आधारित वैक्सीन बनाना सस्ता पड़ेगा और इसके दूसरे लाभ भी होंगे। एक बहुत बड़ा फायदा यह है कि इस तरह की वैक्सीन बनाने के लिए संसाधनों की तलाश पर अधिक ध्यान नहीं देना पड़ेगा। वैक्सीनों को बायोरिएक्टरों में तैयार करने के बजाय खेतों की फसलों में उत्पन्न किया जा सकता है। दूसरा बड़ा फायदा यह है कि पौधे मानव रोगाणुओं द्वारा संक्रमित नहीं हो सकते। इसके अलावा पिछली रिसर्च से पता चलता है कि पौधों पर आधारित वैक्सीन दूसरी विधियों से तैयार वैक्सीनों की तुलना में ज्यादा मजबूत इम्यून रेस्पांस उत्पन्न करती हैं। सामान्य विधियों की तुलना में पौधों पर आधारित वैक्सीन का उत्पादन ज्यादा होता है। इस समय गौशे रोग के इलाज के लिए इस तरह की वैक्सीन का उत्पादन किया जा रहा है। लीवर और स्प्लीन जैसे शरीर के कुछ अंगों में वसायुक्त पदार्थों के जमाव से गौशे रोग उत्पन्न होता है। इन पदार्थों के जमा होने से इन अंगों का आकार बढ़ जाता है, जिसकी वजह से उनके कार्यों पर असर पड़ता है। वसायुक्त पदार्थ हड्डियों के ऊतकों में भी जमा होने लगते हैं, जिनसे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। गौशे रोग के इलाज में प्रयुक्त होने वाला ग्लूकोसेरिब्रोसिडेस नामक एंजाइम गाजर की सेल कल्चर में उत्पन्न होता है। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार फ्लू वैक्सीनों के निर्माण के लिए सबसे ज्यादा प्रचलित विधि में अंडा-आधारित विधि का प्रयोग किया जाता है। यह विधि 70 साल पुरानी है। दुनिया में कोरोना महामारी फैलने से पहले इन्फ्लुएंजा की वनस्पति-आधारित वैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल शुरू हो चुका था और उसके उत्साहवर्धक नतीजे सामने आए थे। इस समय एक रिसर्च टीम कोविड-19 के लिए वनस्पति आधारित वैक्सीन पर काम कर रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि औषधियों के नियमन के लिए जिम्मेदार सरकारी संस्थाओं को वनस्पति-आधारित वैक्सीन के लाभों को समझना चाहिए ताकि इन्हें अपनाने के लिए उचित दिशा-निर्देश तैयार किए जा सकें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लोगों में बढ़ती नैराश्यता की वैश्विक समस्या

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोरोना क्या आया लोगों में असुरक्षा की भावना में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। संयुक्त राष्ट्र संघ की अनुषंगी संस्था द्वारा हालिया जारी रिपोर्ट बेहद निराशाजनक होने के साथ ही चिंतनीय भी है। मानव सुरक्षा को लेकर जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के देशों में 86 फीसदी लोग असुरक्षा की भावना से ग्रसित हो गए हैं। असुरक्षा की यह भावना गरीब देशों में ही नहीं अपितु अमीर देशों और उनमें भी अमीर लोगों में भी उतनी ही मात्रा में है अपितु यह कहें तो अधिक सही होगा कि अमीरों में अधिक है। हालांकि रिपोर्ट पिछले दस साल के हालात को आधार बनाकर जारी की गई है। इसलिए केवल और केवल कोरोना को इसके लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। दरअसल जिस तेजी से दशक के दौरान हालात में बदलाव आए हैं, उससे लोगों में असुरक्षा की भावना अधिक बलवती हुई है। रही-सही कसर 2019 से दुनिया के देशों को झकझोरने वाले कोरोना ने पूरी कर दी है। कोरोना ने तो लोगों को अब सही मायने में अपरिग्रही बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया है। सबकुछ बंद होने पर क्या अमीर क्या गरीब सभी कैद होकर रह गए तो बस घर में कैद होकर खाने-पीने तक सीमित हो गए। कोरोना ने तो हारी बीमारी में एक-दूसरे का सहारा बनने के हालात भी नहीं छोड़े अपितु लोगों को पता चला कि कोरोना ग्रसित है तो स्वयमेव दूरी अधिक बढ़ गई। कोरोना की दो गज की दूरी ने बीमारी के दौरान सहानुभूति के स्थान पर दूरी और बढ़ाने का काम किया है। हालांकि तीसरी लहर के उतार के साथ ही हालात बदलने लगे हैं। लगभग सभी पाबंदियां हटाई जाने लगी है। आखिर लोग भी इन पाबंदियों से गले तक भर गए हैं। लोगों में अब एक सकारात्मक बदलाव जरूर देखने को मिलने लगा है कि कौन कब चला जाए, दो घड़ी का भी भरोसा नहीं, ऐसे में आपसी मतभेद-मनभेद भुलाकर जितना जी ले वो ही अपना है। लोगों में कोरोना ने भय का हालात बना दिए हैं। उदारीकरण के चलते जिस तरह देश-दुनिया में एकल परिवार और इसी तरह के अन्य बदलाव आए थे उन्हें कोरोना ने झकझोर कर रख दिया है। अब एकलता यानी क्वारंटीन से लोग भयाक्रांत हो गए है। आखिर यह किस बात की सजा हो गई है। दरअसल कोरोना ही नहीं बल्कि जो हालात दुनिया में बन रहे हैं, वे अत्यधिक निराशाजनक है। कोरोना के कारण चहुंओर व्याप्त असुरक्षा के बावजूद आज रूस और उक्रेन आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के हालात सबके सामने हैं। दुनिया के देश आतंकवाद और शरणार्थी समस्या से दो-चार हो रहे हैं। पिछले करीब ढाई साल से पढ़ाई-लिखाई, उद्योग-धंधे, पर्यटन-परिवहन सब बुरी तरह प्रभावित हुए। लोगों का रोजगार प्रभावित हुआ है। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर नई संस्कृति विकसित हुई है तो इसके सकारात्मक-नकारात्मक दोनों ही तरीके के परिणाम सामने आए हैं। लोगों में रोजगार के प्रति असुरक्षा बढ़ी है।कब नौकरी से हटाने की सूचना आ जाए यह भय सताने लगा है तो वेतन कटौती आम होती जा रही है। संस्थान के पिलर समझे जाने वाले पुराने कार्मिक आज बोझ लगने लगे हैं क्योंकि कम वेतन में काम करने वालों की लाइन लगी है। प्रकृति से खिलवाड़ का परिणाम आए दिन देखने को मिल रहा है। संभवतः इस दशक में ही सबसे अधिक प्राकृतिक प्रकोप देखने में आ रहे हैं। नित नए नाम से तूफान आकर तबाही मचा रहे हैं तो सर्दी में गर्मी और गर्मी में बरसात या ओलावृष्टि- बर्फबारी आम होती जा रही है। आखिर यह सब प्रकृति से खिलवाड़ का ही परिणाम है। प्रकृति का जिस बेरहमी के साथ दोहन किया गया है और किया जा रहा है उसका परिणाम आज भुगतना पड़ रहा है। यह सब तो तब है जब आज विश्व में संपदा बढ़ी है। लोगों के पास अधिक पैसा और साधन आए हैं। जीवन जीना आसान हुआ है। खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ा है। पौष्टिक खाद्यान्नों की पहुंच बढ़ी है। नित नए आविष्कारों से साधन व सुविधाएं बढ़ी है। इसके बावजूद लोगों में निराशा भी पहले की तुलना में अधिक बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र संघ की संयुक्त राष्ट्र मानव विकास कार्यक्रम की मानव सुरक्षा रिपोर्ट में 86 प्रतिशत लोगों में असुरक्षा की भावना भले ही अतिशयोक्तिपूर्ण मानी जा सकती है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि लोगों में असुरक्षा की भावना तेजी से बढ़ ही रही है। लोग आपस में संदेह करने लगे हैं। अनागत भय से आक्रांत रहने लगे हैं। दुनिया के देशों में डिप्रेशन के शिकार लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आखिर इससे अधिक चिंतनीय क्या होगा? समाज विज्ञानियों और मनोविश्लेषकों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही हो गई है कि लोगों की इस असुरक्षा की भावना को कैसे दूर किया जाए? दुर्भाग्यजनक यह है कि मीडिया में किसी भी क्षेत्र की हो जो रिपोर्ट आती है वो नैराश्य भाव बढ़ाने वाली ही आ रही है। चाहे वह रिपोर्ट शिक्षा के क्षेत्र की हो, स्वास्थ्य के क्षेत्र की हो, पर्यावरण की हो, देशों के बीच आपसी संबंधों को लेकर हो या फिर परस्पर सहयोग या समन्वय की हो। खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट, नकली होना, पर्यावरण के कारण मौत, जानलेवा बीमारियां हो या और किसी क्षेत्र की रिपोर्ट। परीक्षाओं के आयोजन की हो या परिणामों की सभी जगह निराशा ही सामने आ रही है, इससे एक नए तरह का फोबिया पैदा होता जा रहा है। आज आवश्यकता है तो लोगों में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने की है। इसलिए मनोविश्लेषकों और समाज विज्ञानियों को इस दिशा में अधिक ध्यान देना होगा। दुनिया को निराशा भरे माहौल से निकाल कर आशा का संचार करना होगा, इसके लिए सभी को पहल करनी होगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -2052

		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	
	8	9		5	1	2	7	6
5	1	6	8	7		4	9	
	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		

सू-दोकू -2051 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2052

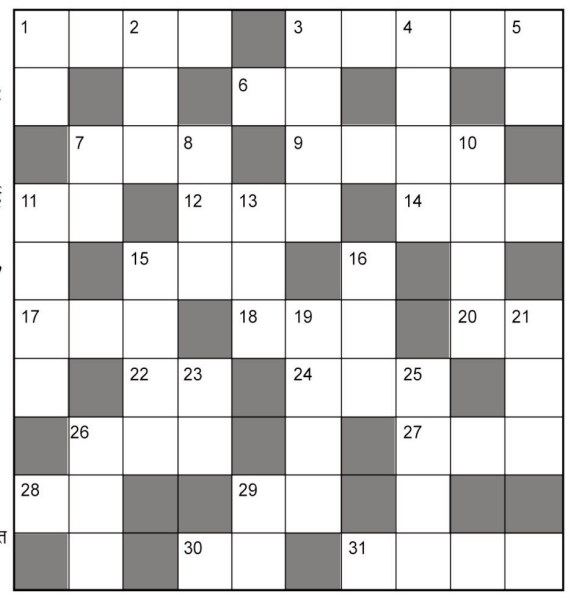

बायें से दायें:-

1. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-4
3. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-5
6. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-2
7. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-3
9. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-4
11. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
12. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-3
14. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-3
15. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-3
17. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-3
18. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-3
20. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-2
22. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-3
26. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-3
27. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-3
28. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-2
29. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-2
31. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
2. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-3
3. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-4
4. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
5. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-2
8. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
10. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-4
11. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-2,2
13. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-3
15. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-2,2
16. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-3
19. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-1,2,1
21. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-3
23. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-2
25. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-4
26. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-3
29. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-2

फिल्म वर्ग पहेली-2051

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	ह		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	रा	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लगातार छठे दिन गिरी बिटकॉइन की कीमत, गोल्ड ने लिया बदला

मुंबई ।

दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे लोकप्रिय और सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में मंगलवार को लगातार छठे दिन गिरावट आई। जानकारों का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत 30,000 डॉलर से नीचे जा सकती है। नवंबर में इसकी कीमत 68,000 डॉलर के पार पहुंच गई थी। क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत में मंगलवार को छह फीसदी से अधिक गिरावट आई है और यह 36,813 डॉलर यानी 29,11,025 रुपये पर ट्रेड कर रही है। बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताहांत 40,000 डॉलर से नीचे आ गई थी और यूक्रेन संकट गहराने से इसमें और गिरावट आई है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो ईथर में 7.64 फीसदी की गिरावट आई है और 2529 डॉलर पर ट्रेड कर रही है। इससे यह तर्क भी गलत साबित हो रहा है कि भूराजनीतिक तनाव में क्रिप्टोकरेंसीज सुरक्षित दांव है। दूसरी ओर सोने जून के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। रिसर्च नोट में कहा कि बिटकॉइन कमजोर हुई है और सोना से कमतर प्रदर्शन कर रही है। अनुमान है कि बिटकॉइन की कीमत 30,000 डॉलर के नीचे आ सकती है क्योंकि निवेशक अब सोने का रुख करने लगे हैं। इससे सोने की कीमत ऑल टाइम हाई की तरफ बढ़ रही है। बिटकॉइन 40,000 डॉलर के स्तर पर टिकने में नाकाम रही और अब यह 30,000 डॉलर तक आ सकती है। परंपरागत और क्रिप्टो मार्केट्स के लिए अब महंगाई के बजाय भूराजनीति प्राइमरी फैक्टर हो गई है। उनका कहना है कि अगर बिटकॉइन 30,000 डॉलर से नीचे आई तो फिर इसमें खरीदारों की दिलचस्पी बढ़ेगी। दूसरी ओर सोने की कीमत 50,500 रुपये से ऊपर पहुंच गई है। एमसीएक्स पर अप्रैल डिलिवरी वाला सोना दोपहर बाद दो बजे 442 रुपये की तेजी के साथ 50520 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। कल यह 50078 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 50447 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान इसकी कीमत 50,687 रुपये तक गई।

साइरस इंवेस्टमेंट्स की समीक्षा याचिका पर सुप्रीम कोर्ट खुली अदालत में करेगा सुनवाई

नई दिल्ली ।

देश का शीर्ष कोर्ट साइरस इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड द्वारा एक समीक्षा याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई के लिए राजी हो गया है। याचिका में अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के आदेश को रद्द करने के न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। एनसीएलटी ने अपने आदेश में साइरस मिस्त्री को टाटा समूह के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में बहाल करने का आदेश दिया था, हालांकि इस आदेश को न्यायालय ने पलट दिया। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि याचिका पर नौ मार्च को खुली अदालत में सुनवाई होगी। पीठ ने कहा, 'शपथ पत्र दाखिल करने से छूट मांगने वाले आवेदनों को इजाजत है। समीक्षा याचिकाओं पर मौखिक सुनवाई की मांग करने वाले आवेदनों को इजाजत है। समीक्षा याचिकाओं को बुधवार, 9 मार्च 2022 को सूचीबद्ध करें। हालांकि, न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम ने कहा कि समीक्षा याचिकाओं में उठाए गए आधार समीक्षा मानकों के दायरे में नहीं आते हैं। उन्होंने कहा, 'अत्यंत सम्मान के साथ, मुझे आदेश से सहमत होने में असमर्थता के लिए खेद है। मैंने समीक्षा याचिकाओं को ध्यान से देखा है और मुझे निर्णय की समीक्षा करने के लिए कोई वैध आधार नहीं मिला है। इस तरह पीठ ने एक न्यायाधीश की असहमति के आधार पर आदेश पारित किया। मुझे निर्णय की समीक्षा करने के लिए कोई वैध आधार नहीं मिला है।

इस तरह पीठ ने एक न्यायाधीश की असहमति के आधार पर आदेश पारित किया। इससे पहले 26 मार्च 2021 को न्यायालय ने साइरस मिस्त्री को टाटा समूह के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में बहाल करने के एनसीएलएटी के आदेश को रद्द कर दिया था।

जेट एयरवेज ने विपुल गुणतिलक को नियुक्त किया सीएफओ

मुंबई ।

जालान-कैलरॉक कंसोर्टियम के स्वामित्व वाली एयरलाइन जेट एयरवेज ने श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ विपुल गुणतिलक को मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया है। जालान-कैलरॉक कंसोर्टियम के अंग और जेट एयरवेज की निगरानी समिति के सदस्य अंकित जालान ने कहा, हम विपुल को अपनी युवा एवं उत्साही टीम में स्वागत करने के लिए रोमांचित हैं। वह विमानन क्षेत्र के जानकार हैं और इस उद्योग में उन्हें कायापलट करने वाले शख्स के तौर पर देखा जाता है।जालान के मुताबिक, गुणतिलक का चयन जेट एयरवेज की कार्यकारी टीम ने कई महीनों तक चली प्रक्रिया के बाद किया है।

गुणतिलक जनवरी, 2022 तक श्रीलंकन एयरलाइंस के सीईओ के रूप में काम किया है। इसके पहले वह टीएएजी अंगोला एयरलाइंस के सीएफओ भी रह चुके हैं। जेट एयरवेज फिर से अपना परिचालन शुरू करने की तैयारियों में लगी हुई है। कर्ज बोझ बढ़ने के बाद अपना परिचालन बंद करना पड़ा था जिसके बाद जालान-कैलरॉक कंसोर्टियम ने उस नया जीवन दिया है।

बीमा कंपनी, किसी विनिर्माण फर्म के मुनाफे की तुलना नहीं की जा सकतीः एलआईसी प्रमुख

नयी दिल्ली ।

एलआईसी अध्यक्ष एम आर कुमार ने सोमवार को कहा कि बीमा कंपनियों के मुनाफे की तुलना किसी विनिर्माण फर्म के साथ नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि दोनों व्यवसायों की प्रकृति एकदम अलग है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''विनिर्माण जैसी दूसरी कंपनियों की तुलना में बीमा कंपनियों का लाभ अलग है। अधिशेष सृजन के लिहाज से पिछले दो वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक का सृजन हुआ है।'' कुमार कहा कि इस अधिशेष में 95 प्रतिशत पॉलिसीधारकों के पास जा रहा था। उन्होंने कहा, ''जब आप पांच प्रतिशत को देखते हैं, तो यह आकार में छोटा

लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है।'' उन्होंने कहा कि अब अधिशेष वितरण के तरीके में बदलाव होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में अधिशेष वितरण का अनुपात पॉलिसीधारकों और शेयरधारकों के बीच 95ः5 था। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 में 92.5ः7.5 और फिर वित्त वर्ष 2024-25 में 90: 10 होगा। न्होंने कहा कि जीवन बीमा कंपनियों को बेची गई पॉलिसियों से लाभ मिलता है। एलआईसी ने पिछले महीने बताया था कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली छमाही में उसका कर पश्चात मुनाफा 1,437 करोड़ रुपये रहा, जो इससे एक साल पहले की इसी अवधि में 6.14 करोड़ रुपये था।

संक्षिप्त समाचार

किआ ने अनंतपुर संयंत्र में पांच लाख वाहनों का आंकड़ा पार किया

हैदराबाद । वाहन निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने बताया कि आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित उसके संयंत्र से घरेलू एवं विदेशी बाजारों को अभी तक पांच लाख इकाइयों को आपूर्ति हो चुकी है। साथ ही किआ ने भारत में चार लाख वाहनों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। सितंबर 2019 में भारत में कारोबार शुरू करने वाली किआ ने तैयार एक लाख से अधिक वाहनों को 90 से अधिक देशों में निर्यात भी किया है। किआ इंडिया ने कहा कि वर्ष 2021 में 25 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ वह भारत में उपयोगी वाहनों का अग्रणी निर्यातक बनकर भी उभरी है। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा, पांच लाख वाहनों का आंकड़ा पार करना एक बड़ी उपलब्धि है और ढाई साल से भी कम समय में इस हासिल करना हमारे लिए गर्व की बात है। भारत में अपना परिचालन शुरू करने के समय से ही हमने ग्राहकों को अपने उत्पादों एवं सेवाओं के जरिये अधिकतम मूल्य देने पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पेश कारेन्स मॉडल को मिलकर तगड़े समर्थन से कंपनी देश में अपनी कारोबार वृद्धि के सफर पर कदम बढ़ाती रहेगी। कारेन्स तीन पंक्तियों वाली सीटों का बहुपयोगी वाहन है।

फ्लीट्स ने सीरीज-बी दौर में 145 करोड़ रुपये का फंड जुटाया

नई दिल्ली । फ्लीट प्रबंधन मंच फ्लीट्स डॉट आईओ ने वित्तपोषण के सीरीज-बी दौर में 145 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस स्टार्टअप कंपनी ने कहा कि इस वित्तपोषण दौर की अगुआई इंडियामार्ट ने की। इसके अलावा मौजूदा निवेशकों इंडियाकोशेंट और बीनेक्स्ट ने भी वित्तपोषण दौर में शिरकत की।फ्लीट्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनीत शर्मा ने कहा, यह निवेश हमें अपने ग्राहकों की तरफ से नवोन्मेष के लिए सक्षम बनाकर हमारा उत्पाद नेतृत्व आगे बढ़कर हमें वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएगा। कंपनी ने कहा कि वित्तपोषण के इस दौर में जुटाई गई 1.94 करोड़ डॉलर राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से नई भर्ती, उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन और जीटीएम क्षमता के विस्तार में किया जाएगा। इंडियामार्ट के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक दिनेश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय उद्यमों एवं फ्लीट मालिकों को आपूर्ति शृंखला दृश्यता से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है और फ्लीट्स इनके समाधान के लिए जरूरी विकल्प पेश करने में सफल रही है।

एचडीएफसी बैंक के विरुद्ध सेबी के आदेश को सैट ने खारिज किया

नई दिल्ली । देश की निजी क्षेत्र के बड़ा एचडीएफसी बैंक के खिलाफ सेबी के उस आदेश को प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने खारिज कर दिया है, जिसमें नियामक ने शेयर ब्रोकर बीआरएच वेल्थ क्रिएटर्स द्वारा गिरवी रखी गई प्रतिभूतियों को जब्त करने से संबंधित मामले में बैंक पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ग्राहकों की प्रतिभूतियों के निपटान से जुड़े मुद्दों का समाधान होने तक प्रतिवर्ष सात प्रतिशत ब्याज के साथ 158.68 करोड़ रुपये एक एस्क्रो खाते में जमा करने का निर्देश भी दिया था। सेबी ने ये निर्देश जनवरी, 2021 में जारी किए थे। इस आदेश के खिलाफ एचडीएफसी बैंक सैट में चला गया था। सैट ने शुक्रवार को अपने आदेश में कहा कि ब्रोकर बीआरएच द्वारा गिरवी रखे शेयरों को जब्त करने का बैंक का फैसला उचित था। बैंक ने सेबी के अंतरिम आदेश में शामिल किसी भी निर्देश का उल्लंघन नहीं किया। ब्रोकर बीआरएच द्वारा गिरवी रखे शेयरों को जब्त करने का बैंक का फैसला उचित था। बैंक ने सेबी के अंतरिम आदेश में शामिल किसी भी निर्देश का उल्लंघन नहीं किया।

जेडफंड्स ने पेश की 100 रुपये दैनिक एसआईपी वाली योजना

मुंबई । म्यूचुअल फंड वितरण मंच जेडफंड्स ने 100 रुपये की दैनिक एसआईपी वाली म्यूचुअल फंड योजना पेश की जो खासकर ग्रामीण इलाकों एवं छोटे कस्बों को ध्यान में रखकर लाई गई है। जेडफंड्स ने कहा कि इस एसआईपी योजना को आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड के साथ मिलकर पेश किया गया है। इसके अलावा कंपनी अपने उत्पाद पहुंच को बढ़ाने के लिए कई अन्य म्यूचुअल फंड कंपनियों के संपर्क में भी है। इस फंड योजना के जरिये जेडफंड्स की मंशा टियर-2, टियर-3 एवं टियर-4 शहरों में रहने वाले लोगों की जरूरतों को पूरा करने की है। छोटे शहरों एवं देहाती इलाकों में रहने वाले लोगों के बीच दैनिक आधार पर कमाई की दर ज्यादा होने से यह योजना ज्यादा कारगर हो सकती है। जेडफंड्स के मुताबिक, इस योजना के तहत कोई व्यक्ति दैनिक आधार पर 100 रुपये का भी निवेश कर सकता है। इससे दैनिक कामगारों और छोटे कारोबारियों के लिए भी म्यूचुअल फंड में निवेश कर पाना मुमकिन होगा। कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष कोठारी ने कहा, भारत के लोगों तक म्यूचुअल फंड उत्पादों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए यह एकदम नई अवधारणा है। इससे स्वरोजगरार में लगे और दैनिक आधार पर भुगतान पाने वाले लोगों के लिए भी निवेश का विकल्प तैयार होगा।

गैस की भारी किल्लत, अप्रैल से बढ़ सकते हैं घरेलू गैस के दाम

नई दिल्ली ।

लगातार बढ़ती ऊर्जा की मांग के चलते विश्व में गैस की भारी किल्लत हो गई है इससे भारत भी अछूता नहीं लिहाजा अप्रैल में इसका असर यहां भी देखने को मिल सकता है। इससे देश में गैस की कीमत दोगुना हो सकती है। इससे सीएनजी, पीएनजी और बिजली की कीमतें बढ़ जाएगी। साथ ही सरकार का फर्टिलाइजर सब्सिडी बिल भी बढ़ जाएगा। ग्लोबल इकॉनमी कोरोना का कहर से बाहर निकल रही है और इसके साथ ही एनर्जी की मांग भी बढ़ रही है। लेकिन 2021 में इसकी सप्लाई को बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। इन कारणों से गैस की कीमत में काफी तेजी आई है। घरेलू इंडस्ट्रीज पहली ही आयातित एलएनजी के लिए ज्यादा कीमत चुका रही है। इसकी वजह लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट्स हैं जहां कीमत कच्चे तेल से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने स्पॉट मार्केट से खरीदारी कम कर दी है जहां कई महीनों के कीमत में आग लगी हुई है। लेकिन इसका असर अप्रैल में देखने को मिलेगा जब सरकार नेचुरल गैस की घरेलू कीमतों में बदलाव करेगी। इंडस्ट्री के जानकारों और एनालिस्ट्स का कहना है कि इसे 2.9 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़ाकर 6 से 7 डॉलर किया जा सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज मुताबिक गहरे समुद्र से निकलने वाली गैस की कीमत 6.13 डॉलर से बढ़कर करीब 10 डॉलर हो जाएगी। कंपनी अगले महीने कुछ गैस की नीलामी करेगी। उसने इसके लिए फ्लोर प्राइस को क्रूड ऑयल से जोड़ा है जो अभी 14 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू है। देश में घरेलू नेचुरल गैस की कीमतें हर साल अप्रैल और अक्टूबर में तय होती हैं। अप्रैल की कीमत जनवरी से दिसंबर 2021 की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होगी। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एके जेना के मुताबिक घरेलू नेचुरल गैस की कीमत में एक डॉलर की तेजी होने पर सीएनजी की कीमत 4.5 रुपये प्रति किलो बढ़ जाएगी। इसकी मतलब है कि सीएनजी की कीमत में 15 रुपये प्रति किलो बढ़ सकती है। जेना

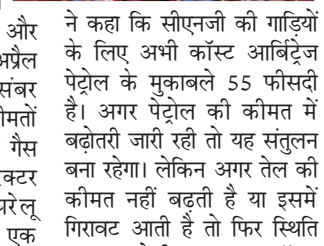

ने कहा कि सीएनजी की गाड़ियों के लिए अभी कॉस्ट आर्बिट्रेज पेट्रोल के मुकाबले 55 फीसदी है। अगर पेट्रोल की कीमत में बढ़ोतरी जारी रही तो यह संतुलन बना रहेगा। लेकिन अगर तेल की कीमत नहीं बढ़ती है या इसमें गिरावट आती है तो फिर स्थिति अलग होगी। अगर कॉस्ट आर्बिट्रेज 40 फीसदी या इससे अधिक होता है तो सीएनजी में कनवर्जन का कोई फायदा नहीं होगा।

एक साल में 62 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल, दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर डाला असर

नई दिल्ली ।

सन 2022 की शुरुआत से ही महंगाई और शेयर बाजार की चाल बिगड़ी हुई है। लगातार ऊपर चढ़ते कच्चे तेल पर भारत ही नहीं दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर असर डाला है। एक साल में कच्चा तेल 62 फीसदी महंगा हो चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार इस साल कच्चे तेल की कीमत 20 फीसदी इजाफे के साथ 7-8 साल की ऊंचाई पर पहुंच गया है। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव और तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक की बेरुखी से कच्चा तेल आगे भी महंगे होने के आसार हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल महंगे कच्चे तेल से राहत मिलती नहीं दिख रही और आने वाले कुछ समय में यह 100 डॉलर के पार जा सकता है। महंगे क्रूड ऑयल का भारत सहित दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर असर दिखता है। अगर क्रूड में 10 डॉलर का इजाफा होगा तो विकास दर 0.35 फीसदी सुस्त हो जाएगी। इतना ही नहीं इससे आयात बिल पर असर पड़ता है। डॉलर में इसका भुगतान करने पर रुपया कमजोर होता जाता है। इससे आयात बिल पर असर पड़ता है। डॉलर में इसका भुगतान करने दूसरी ओर, महंगे ईंधन से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है। खुदरा बाजार में महंगाई भी बढ़ जाती है। इस साल शेयर बाजार में आ रहे उतार-चढ़ाव में महंगे क्रूड ऑयल की भी बड़ी भूमिका है। क्रूड में तेजी आने या कमी होने पर 40 से 50 स्टॉक्स पर सीधा असर दिखता है। इससे बैटरी बनाने वाली कंपनियों, तेल कंपनियों, विमानन क्षेत्र की कंपनियों, टायर, सीमेंट, लॉजिस्टिक स, स्टील और उपभोक्त उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के शेयरों पर दबाव बढ़ जाता है। रूस सहित तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक ने रविवार को बैठक के बाद अतिरिक्त क्रूड के उत्पादन से इनकार कर दिया। हालांकि, ओपेक ने 2 फरवरी को हुई बैठक में 4 लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन बढ़ाने की बात कही थी। अरब देशों के मंत्रियों ने यह कहते हुए अपने इस निर्णय से पल्ला झाड़ लिया कि अब महामारी का जोखिम कम हो रहा और अर्थव्यवस्थाएं खुलने लगीं हैं।

गर्भवती मादा सुअरों के साथ गंदा व्यवहार करती हैं मैकडॉनल्ड्स

लंदन । पिज्जा-बर्गर वाली जानी-मानी फास्टफूड चेन मैकडॉनल्ड्स फिर विवादों में है। मामला गर्भवती मादा सुअरों से जुड़ा है। विवाद प्रतिष्ठित निवेशक कार्ल आइकॉन द्वारा मैकडॉनल्ड्स के एनिमल वेलफेयर पर उठाए गए सवालों से शुरू हुआ है। आइकॉन का कहना है कि मैकडॉनल्ड्स जानवरों के साथ अच्छा बर्ताव नहीं कर रहा है। खासकर सुअरों के साथ बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। दरअसल, पिग वेलफेयर के मुद्दे से आइकॉन काफी जुड़े हुए हैं। आइकॉन ने कहा कि मैकडॉनल्ड्स अपनी फूड चेन में उपयोग होने वाले सुअरों के साथ बुरा बर्ताव कर रहा है। आइकॉन ने आरोप लगाया कि कंपनी गर्भवती मादा सुअरों को छोटे-छोटे कैरेट्स में बंद करके रखती है, जो कि जानवारों के साथ काफी बदतर व्यवहार है। आइकॉन ने पिछले हफ्ते कहा था, मैं इन जानवरों के बारे में इमोशनल हो जाता हूं और इनका अनावश्यक कष्ट आपको सोचने को मजबूर करता है। सूअर के पास एक अच्छा दिमाग होता है और यह एक अनुभव कर सकने वाला जानवर है। उन्होंने कहा कि मैकडॉनल्ड्स अपनी फूड चेन में सुअरों के साथ ठीक व्यवहार करने के अपने वादे पर खरा नहीं उतरा है। आइकॉन ने अमेरिका में मैकडॉनल्ड्स के सभी पोर्क सप्लायर्स (सुअर का मांस सप्लाई करने वालों) से कैरेट फ्री पोर्क की तरफ जाने को कहा है। आइकॉन दो लोगों को मैकडॉनल्ड्स के बोर्ड में बैठना चाहते हैं। फास्ट फूड चेन द्वारा दिए गए बयान के अनुसार, साल 2022 की सालाना बैठक में चुनावों के लिए दो लोगों के नाम का प्रस्ताव दिया है। बता दें कि मैकडॉनल्ड्स ने साल 2012 में कैरेट में गर्भवती मादा सुअरों को रखने वाले सप्लायर्स को सुअर के मांस का ऑर्डर नहीं देने का वादा किया था।

स्मार्टफोन मोटो जी 22 लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

जानी-मानी कंपनी मोटोरोला जल्द ही अपना नया स्मार्टफोन मोटो जी 22 लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। एनबीटीसी, ईईसी और एफसीसी जैसे सर्टिफिकेशन प्लेटफॉर्म पर मोटो जी 22 की झलक भी देखी जा चुकी है। इसकी लिस्टिंग से ये पता लगा है कि किसी भी समय लेनोवा के ओनरशिप वाला ब्रांड अपना न्यू स्मार्टफोन लॉन्च कर सकता है। मोटो जी 22स्मार्टफोन्स के फीचर्स , स्पेसिफिकेशंन और कीमत से लेकर तमाम अहम जानकारी लीक कर दी हैं। लीक्स के मुताबिक, मोटो जी 22 स्मार्टफोन की कीमत 200 यूरो यानी की भारतीय करेंसी के मुताबिक लगभग 17 हजार रुपये हो सकती है। लीक से ये भी पता लगा है कि इस स्मार्टफोन में आपको कई सारे कलर ऑप्शन मिल जाएंगे। जैसे कि कॉस्मिक ब्लैक, आइसबर्ग ब्लू और व्हाइट जैसे कलर ऑप्शन के साथ फोन के लॉन्च होने की संभावना जताई जा रही है। स्मार्टफोन से जुड़ी लीक हुई जानकारी के मुताबिक, मोटो जी 22 में 6.5-इंच आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। ये एचडी+ रेजोल्यूशन और 90एचझेड रिफ्रेश रेट प्रोड्यूस करेगा। वहीं, टिपस्टर की तरफ से मोटोरोला के इस न्यू स्मार्टफोन का लीक रेंडर भी शेयर किया गया है। जिसका कोडनेम हवाई है। इसे लीक करने वाले जाने-माने टिपस्टर इवान ब्लास हैं। टिपस्टर इवान ब्लास की तरफ से लीक हुई जानकारी के मुताबिक, हवाई+ में ओलेड पैनल दिया गया है, हालांकि जी22 में यूजर को एलसीडी पैनल मिलेगा।स्मार्टफोन खरीदते समय अधिकतर यूजर उसके कैमरे पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। ऐसे में ये भी जान लेते हैं कि मोटो जी 22 का कैमरा कैसा होगा?एडिशनल स्टोरेज के लिए यूजर्स को इसमें माइक्रोएसडी कार्ड स्लॉट की भी सुविधा मिल सकेगी। जानकारी के मुताबिक, मोटो जी 22 हेलियो जी37 चिपसेट पर ऑपरेट किया जा सकेगा। इसे पहली बार पिछले साल आए मोटो जी पॉवर (2022) में देखा गया था। इन लीक हुई जानकारी के मुताबिक, इस फोन में आपको सेल्फी के लिए 16-मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिल सकता है। फोन के पिछले हिस्से में 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस और 12-मेगापिक्सल का मैक्रो या डेप्थ दिया गया है। ये फोन लेटेस्ट

नियमित इंटरनेशनल फ्लाइट्स 15 मार्च से हो सकती हैं शुरू

नई दिल्ली । हवाई यात्रा करने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। शीघ्र नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 मार्च से फिर से शुरू हो सकती हैं और इसके लिए भारतीय हवाई अड्डों पर प्रभावी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। यह बात सरकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मामलों में लगातार गिरावट को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के परामर्श के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने के निर्णय पर लगभग पहुंच चुका है। हालांकि, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इस संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 मार्च से फिर से शुरू होने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय आगमन के लिए 14 फरवरी से प्रभावी दिशानिर्देशों का पालन इन उड़ानों के यात्रियों के लिए हवाई अड्डों पर किया जाएगा। भारत में निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर 28 फरवरी तक प्रतिबंध लागू है। देश में ऐसी उड़ानें 23 मार्च, 2020 से कोविड-19 महामारी के कारण निलंबित हैं। 'एयर बबल' व्यवस्था के तहत जुलाई 2020 से भारत और लगभग 40 देशों के बीच विशेष यात्री उड़ानें संचालित हो रही हैं।

शाहीन के शानदार प्रदर्शन के बाद भी हारी लाहौर , पेशावर जीती

लाहौर । शाहीन अफरीदी के शानदार प्रदर्शन के बाद भी लाहौर कलंदर्स को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 30वां मुकाबले में पेशावर जाल्मी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ क्योंकि इसमें निर्धारित ओवर में दोनों टीमों ने 158 बनाये थे। शाहीन ने मैच के अंतिम ओवर में 3 छक्के और 2 चौके लगाये। इस मैच में पेशावर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी लाहौर कलंदर्स टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 24 रन चाहिये थे। शाहीन ने अंतिम ओवर पहली गेंद के वाइड होने के बाद अगली गेंद पर शाहीन चौका लगा दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर छक्का लगाया। तीसरी गेंद पर भी शाहीन ने जोरदार छक्का लगाकार अपनी टीम को बराबरी की ओर पहुंचाया। चौथी और 5वीं गेंद पर कोई रन नहीं बनने के बाद छठी गेंद पर शाहीन ने छक्का लगा दिया। इसके इस प्रकार टीम 158 रनों तक पहुंच गयी। वहीं सुपर ओवर में लाहौर कलंदर्स की ओर से फखर जमां और हैरी ब्रूक बल्लेबाजी के लिए उतरे। पेशावर की ओर से गेंदबाज वहाब रियाज ने केवल 5 रन दिये। ऐसे में पेशावर के सामने जीत के लिए 6 रन का लक्ष्य था। पेशावर जाल्मी की ओर से शोएब मलिक और मोहम्मद हैरिस बल्लेबाजी के लिए उतरे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए सुखजीत भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली ।

स्पेन के खिलाफ इस सप्ताह के अंत में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिये 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा हो गयी है। इस टीम में उभरते हुए उदीयमान फारवर्ड सिंह को भी शामिल किया गया है। मनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम 26 और 27 फरवरी को स्पेन का मुकाबला करेगी। फरवरी को स्पेन का मुकाबला करेगी। वहीं ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। सुखजीत को गत वर्ष पहली हॉकी इंडिया अंतरविभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के कारण कोर ग्रुप में शामिल किया गया था। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, 'हमने स्पेन के खिलाफ मैचों के लिये संतुलित टीम का चयन किया है और हम भुवनेश्वर में अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिये तैयार हैं।' भारत को प्रो लीग में अब तक मिली जुली सफलता मिली है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में खेले गये मैचों में मेजबान को हराया था पर वह फ्रांस से हार गया था।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

- गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा।
- डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (उपकप्तान), मनदीप मोर, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, दीपसन टिर्की।
- मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह (कप्तान), विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, आकाशदीप सिंह।
- फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शिलानंद लकड़ा, सुखजीत सिंह, अभिषेक।
- स्टैंडबाय : कृष्ण बहादुर पाठक, अमित रोहिदास, राजकुमार पाल, मोइरंगथेम रबिचंद्र सिंह, दिलप्रीत सिंह।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम चौथा एकदिवसीय भी हारी

क्रींसलैंड ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को मेजबान न्यूजीलैंड के हाथों वर्षा बाधित चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी 63 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके पहले हुए तीन एकदिवसीय मैचों में भी भारतीय टीम हारी थी। इस प्रकार भारतीय टीम पांच एकदिवसीय मैचों की इस सीरीज में 4-0 से पीछे हो गयी है। यह मैच बारिश के कारण देर से शुरू हुआ। इसी कारण यह एकदिवसीय मैच 20-20 ओवरों का किया गया। भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर मेजबान न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम का फैसला गलत साबित हुआ और मेजबान कीवी टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 191 रन का स्कोर बना लिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजी ढ़ह गयी और पूरी टीम 17.5 ओवर में 128 रन बनाकर आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट केवल 19 रन पर खो दिए। इसके बाद कप्तान मिताली राज और ऋचा घोष ने 77 रन की साझेदारी की पर तब तक देर हो गयी थी। विकेटकीपर ऋचा घोष ने 52 और कप्तान मिताली राज ने 30 रन बनायी। इसके अलावा केवल . स्मृति मंधाना ही 13 रन बनाकर दो अंकों में पहुंच पायी। वहीं बाकि बल्लेबान टिक नहीं पायीं। भारतीय टीम भारतीय टीम की यह न्यूजीलैंड दौरे पर लगातार पांचवीं हार है। एकदिवसीय सीरीज से पहले हुए एकमात्र टी20 मैच में भी उसे हार का सामना करना पड़ा।

अगर भारतीय टीम विश्वकप जीतती है तो आयेगा बड़ा बदलाव : मिताली

क्रींसलैंड । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी भारतीय टीम की हार पर कहा कि अगर टीम आगामी विश्व कप मुकाबले में जीतती है तो एक बड़ा बदलाव आयेगा। उसके प्रति प्रशंसकों की मानसिकता बदल जाएगी और खिलाड़ियों के साथ ही उनके परिवारों में भी उत्साह की लहर रहेगी। भारतीय टीम साल 2017 में इंग्लैंड में खेले गए पिछले विश्व कप में एक करीबी मुकाबले में इंग्लैंड से हारी थी। भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने कहा, मुझे अभी भी साल 2017 के फाइनल मुकाबला की याद है, प्रशंसकों की वह भावनाएं अभी भी दिमाग में हैं तब हम विश्व कप में जीत के भी काफी करीब पहुंच गए थे। लॉर्ड्स के दर्शकों से भरे स्टेडियम की वह हार अभी भी हमें निराश करती है। साथ ही कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैंने टीम इंडिया को अपनी कप्तानी में 3 में से 2 विश्व कप मुकाबलों के फाइनल में पहुंचाया। भारतीय टीम 2017 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में हारी और 2020 के टी-20 विश्व कप में उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मिताली राज ने इन दोनों फाइनल में हार को याद करते हुए कहा, हमें उन मुकाबलों मे हार से काफी कुछ सीखने को मिला और हम इस विश्व कप में बेहतर अनुभव के साथ उतरेंगे। हमने दिखाया भी है कि हम चैम्पियनशिप जीतने के योग्य हैं। इस जीत का प्रभाव काफी बड़ा होगा क्योंकि यह हमारे खिलाड़ियों, परिवार के अलावा प्रशंसकों के लिए भी एक बदलाव लेकर आएगा। वहीं महिला आईपीएल को लोकर मिताली ने कहा कि सभी लोग इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब इस लीग की शुरुआत होगी।

भविष्य में इस देश के लिए खेलना चाहते हैं नेमार, बताया कब लेंगे संन्यास

साओ पाउलो ।

दिग्गज फुटबॉलर नेमार भविष्य में अपने देश ब्राजील के बजाय अमरीका में खेलना चाहते हैं। इस 30 वर्षीय फुटबॉलर ने हाल में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ अपना अनुबंध 2025 तक बढ़ाया था। नेमार ने 'फेनोमेनोस पॉडकास्ट में कहा, 'मैं नहीं जानता कि मैं फिर से ब्राजील में खेलूंगा या नहीं। मेरी दिली इच्छा अमरीका में खेलने की है। मैं कम से कम एक सत्र के लिए वहां खेलना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'ब्राजील में खेलने को लेकर मैं नहीं जानता। कुछ अवसरों पर मुझे लगता है कि वहां खेलना चाहिए लेकिन कभी मैं ऐसा नहीं चाहता।% इस स्ट्राइकर ने अमरीका में खेलने के बारे में मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्योंकि वहां चैंपियनशिप जल्दी समाप्त हो जाती है, इसलिए चार महीने का अवकाश मिल जाता है। इस तरह से आप वहां वर्षों तक खेल सकते हैं। नेमार से पूछा गया कि क्या वह इसलिए चार महीने का अवकाश मिल जाता है। इस तरह से आप वहां वर्षों तक खेल सकते हैं। नेमार से पूछा गया कि क्या वह संन्यास की योजना बना रहे हैं, उन्होंने कहा कि वह अपने दोस्तों से मजाक में कहते हैं कि वह 32 साल की उम्र में संन्यास ले लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं जब तक मानसिक रूप से नहीं थक जाता तब तक खेलता रहूंगा। मेरा शरीर कुछ साल तक खेलने के लिए फिट रहेगा लेकिन मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी है। लेकिन इसके कोई निश्चित उम्र तय नहीं है। नेमार ने कहा कि ब्राजील की राष्ट्रीय टीम 'ब्राजील के प्रशंसकों से बहुत दूर हो गई है। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि यह क्यों और कब शुरू हुआ, लेकिन मैं इसे अपने मैचों में देखता हूं। लोग इसके बारे में बात नहीं करते। उन्हें पता नहीं होता कि हम कब खेलते हैं। यह बुरा है। नेमार ने कहा, 'ऐसी पीढ़ी में रहना दुखद है जहां ब्राजील का खेलना महत्वपूर्ण नहीं है। जब मैं बच्चा था तो यह उत्सव जैसा होता था।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान रॉयल्स ने विलियमसन , गांगुली और आर्चर के जर्सी नंबर पोस्ट किये

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम राजस्थान रॉयल्स ने 22-02-2022 की इस तारीख को बनाते हुए कुछ क्रिकेटर्स के जर्सी नंबर पोस्ट किए हैं। राजस्थान रॉयल्स ने ट्विटर पर जो तस्वीर साझा की, उसमें न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन, टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का टी-शर्ट नंबर दिखाया गया है। विलियमसन 22, गांगुली 2 और आर्चर 22 नंबर की जर्सी पहनते रहे हैं। ऐसे में इसे 22-02-2022 से जोड़ा गया है। 22-02-2022 एक स्पेशल तारीख है, यह पैलिनड्रोम तारीख है। यानी इस तारीख में सिर्फ दो ही संख्याओं का उपयोग किया गया है। यानी 0 और 2 का। गांगुली की जर्सी का नंबर 1, 99 और 24 रहा है। साल 1999 के विश्वकप के दौरान उन्होंने 2 नंबर की जर्सी भी पहनी थी। वहीं, केन विलियमसन तो 22 नंबर की जर्सी ही पहनते हुए नज़र आए हैं। गौरतलब है कि क्रिकेटर्स की जर्सी का अलग-अलग मतलब होता है, कोई अपने जन्मदिन का नंबर पहनता है तो कोई किसी लकी नंबर को अपना जर्सी नंबर बनाता है। यही नंबर क्रिकेटर्स की पहचान भी होती है।

पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय और टी 20 टीम घोषित

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय और टी 20 टीम घोषित कर दी है। 16 सदस्यीय इस ऑस्ट्रेलियाई टीम में पांच स्टार खिलाड़ी जोस हेजलवुड , मिशेल स्टार्क, डेविड वॉर्नर और ग्लेन मैक्सवेल को शामिल नहीं किया गया है। इन सभी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। पाक और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन एकदिवसीय और एक टी20 मैच की सीरीज मार्च-अप्रैल में खेली जाएगी। सीरीज की शुरुआत में एकदिवसीय मैच खेला जाएगा। एकदिवसीय सीरीज 29 मार्च से 2 अप्रैल तक होगी। इसके बाद एकमात्र टी20 मैच 5 अप्रैल को होगा। कमिंस, डेविड वॉर्नर और हेजलवुड को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान दौरे के लिए शामिल किया गया है। टेस्ट सीरीज की शुरुआत अगले शुक्रवार से होगी। एकदिवसीय और टी-20 टीम इस प्रकार हैः एरोन फिंच (कप्तान), सीन एबॉट, एस्टन एगर, जेसन बेहेरनडोर्फ, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोस इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, बेन मैक्डरमोट, केन रिचर्ड्सन, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जंपा। ऑस्ट्रेलिया के पाक दौरे का पूरा कार्यक्रम पहला टेस्ट मैच, 4-8 मार्च, रावलपिंडी दूसरा टेस्ट मैच, 12-16 मार्च, पहला टेस्ट मैच, 4-8 मार्च, रावलपिंडी दूसरा टेस्ट मैच, 12-16 मार्च, कराची तीसरा टेस्ट मैच, 21-25 मार्च, लाहौर पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय, 29 मार्च, रावलपिंडी दूसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय, 31 मार्च, रावलपिंडी तीसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय, 2 अप्रैल, रावलपिंडी इकलौता टी20 इंटरनेशनल, 5 अप्रैल, रावलपिंडी ।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में बुमराह ओर जडेजा की होगी वापसी

लखनऊ ।

यहां के इकाना स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ गुरुवार को होने वाले पहले टी20 क्रिकेट मुकाबले में भारतीय टीम बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी भारतीय टीम ने हाल में वेस्टइंडीज को एकदिवसीय ओर टी20 सीरीज में हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच से अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह व ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की वापसी होगी पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को इस मैच के लिए आराम दिया गया है। इस पहले टी20 में लोकेश राहुल के नहीं होने के कारण समामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के साथ ईशान किशन पारी की शुरुआत करेंगे। वहीं विराट की जगह तीसरे नंबर पर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। वहीं बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव नंबर 4 पर जबकि वेंकटेश अय्यर नंबर 5 पर उतरेंगे। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा छठे जबकि दीपक चाहर सातवें नंबर पर उतर सकते हैं। युवा तेज गेंदबाज दीपक चाहर ओर हर्षल पटेल इस मैच में बुमराह के साथ गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। श्रीलंका केखिलाफ पहले टी20 में भारत की अंतिम ग्यारह इस प्रकार है : खिलाफ पहले टी20 में भारत की अंतिम ग्यारह इस प्रकार है : रोहित शर्मा, ईशान किशन, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, वेंकटेश अय्यर, रविंद्र जडेजा, दीपक चाहर, हर्षल पटेल, जसप्रीत बुमराह, युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई।

टीम संयोजन के लिए कोई तय फार्मूला नहीं : द्रविड़

कोलकाता ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम संयोजन को लेकर वह ओर कप्तान रोहित शर्मा स्पष्ट हैं हालांकि कुछ बातों पर अभी अंतिम पफैसला होना है। रवि शास्त्री की जगह कोच पद संभालने वाले द्रविड़ की पहली बड़ी परीक्षा आस्ट्रेलिया में होगी। द्रविड़ ने कहा कि वह और रोहित जानते हैं कि विश्व कप में टीम संयोजन क्या होना चाहिए। द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे और रोहित तथा चयनकर्ताओं और प्रबंधन के बीच इसको (टीम संयोजन) लेकर स्पष्ट तस्वीर है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसका कोई तय फार्मूला है लेकिन हम (टी20 विश्व कप के लिए) संयोजन और संतुलन को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। हम इसी के इर्द गिर्द टीम को तैयार कर रहे हैं और खिलाड़ियों के कार्यभार को संतुलित कर रहे हैं। द्रविड़ ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के लिए हमें कैसा कौशल चाहिए उसको लेकर हमारी राय स्पष्ट है जिसके आधार पर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने कोई निश्चित मानदंड तय नहीं किए हैं लेकिन हम सभी को उचित मौका देना चाहते हैं। कुछ खिलाड़ी चोटिल होने तो कुछ विश्राम दिए जाने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाए और द्रविड़ ने कहा कि पूरी प्रक्रिया सभी खिलाड़ियों (बैक अप) को तैयार रखने से जुड़ी है। उन्होंने कहा, 'हम जिस दौर में जी रहे हैं उसमें यह आसान नहीं है। मुझे नहीं लगता कि इसकी कोई समय सीमा है जब आप यह कह सको कि यह टीम तय है। द्रविड़ ने कहा, 'हम स्वयं को केवल 15 खिलाड़ियों तक सीमित नहीं करना चाहते हैं। हम खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं। हम खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं जब तक हम विश्व कप खेलने के लिए जाएं हमारे कुछ खिलाड़ियों को कम से कम 10-15-20 मैचों का अनुभव हो।

रैना ने बीसीसीआई से विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मांगी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि उन्हें विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मिले जिससे उनकी भी लय बनी रहे। रैना को इस बार हुई आईपीएल नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा है। वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल रहे हैं। ऐसे में वह बेहद निराश हैं। आईपीएल मेगा नीलामी में रैना ने अपना बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखा था पर इसके बाद भी उन्हें किसी टीम ने नहीं लिया जबकि रैना आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। रैना ने एक वीडियो के जरिये अपना दर्द जाहिर किया है। इस वीडियो में रैना कहते हैं, ' बीसीसीआई को आईसीसी या फ्रेंचाइजी के साथ सलाह कर उन खिलाड़ियों को विदेश में खेलने की अनुमति देनी चाहिए, जिनके पास बीसीसीआई का अनुबंध नहीं है जहां पर हम जाएं और खेलें। इस खिलाड़ी ने कहा कि बीसीसीआई के अनुबंध में भी आप नहीं हो, आपको किसी ने आईपीएल में भी नहीं लिया, आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट भी नहीं खेल रहे हो।' रैना ने कहा, ' यदि हम विदेश में जाकर तीन महीने में क्वालिटी क्रिकेट खेलेंगे, चाहे वह सीपीएल हो या बिग बैश हो, कुछ भी ऐसा हो, जिससे हमें लगे की हम तैयार हैं। आप देखिए कि विदेश के सभी खिलाड़ी खेलते हैं। सभी फिर राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हैं। फ्रेंचाइजी अगर किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं करती है तो हम लोगों के पास दूसरा प्लान बी नहीं है। हम बाहर जाकर शानदार प्रदर्शन कर काफी कुछ सीख सकते हैं।' रैना ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलवदा कहा था।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले के लिए लखनऊ पहुंची टीम इंडिया

मुम्बई ।

टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले पहले टी-20 मैच के लिए सीरीज का पहला मैच खेलने के लिए लखनऊ पहुंच गई हैं। टीम इंडिया लखनऊ पहुंचने के बाद सीधे इकाना स्टेडियम के लिए रवाना हुई। टीम इंडिया के प्रमुख बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने इसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की है। इसमें उनके साथ युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी हैं, जिसकी लिखा है , मुस्कुराए आप लखनऊ में हैं। इससे पहले सोमवार को श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज के पहले दो टी-20 मैचों के लिए अपनी टीम घोषित कर दी थी। 24 फरवरी को इकाना स्टेडियम में पहला टी-20 मैच होगा। इसके बाद दूसरा और तीसरा टी 20 आई 26 और 27 फरवरी को धर्मशाला के स्टेडियम में होगा। भारतीय टीम इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ 4 से 8 मार्च तक पहला टेस्ट मोहाली में खेलेगी, यह आईसीसी भारतीय टीम इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ 4 से 8 मार्च तक पहला टेस्ट मोहाली में खेलेगी, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के कार्यक्रम में शामिल रहेगा जबकि दूसरा टेस्ट 12 से 16 मार्च तक बेंगलुरु में खेला जाएगा। भारत टी-20 टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), भुवनेश्वर कुमार, दीपक चाहर, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अवेश खान।

जोकोविच ने लारेंजो को हराकर साल 2022 में अपना पहला मैच जीता

दुबई । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने यहां दुबई टेनिस चैंपियनशिप में इटली के लारेंजो मुसेटी को 6-3, 6-3 से हराकर इस साल का अपना पहला मैच जीता है। इससे पहले हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जोकोविच भाग नहीं ले पाये थे क्योंकि कोविड-19 टीकाकरण नहीं होने से उन्हें ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश से बाहर कर दिया था। हाल में संयुक्त अरब अमीरात ने उन्हें टीकाकरण के बिना ही देश में प्रवेश की अनुमति दी और जोकोविच ने इस टूर्नामेंट से साल 2022 का अपना पहला मुकाबला जीता। पिछले साल फ्रेंच ओपन में मुसेटी ने जोकोविच से दो सेट जीते थे पर इटली का यह खिलाड़ी यहां ब्रेक अंक हासिल करने के कई अवसरों का लाभ नहीं उठा पाया। जोकोविच ने जीत के बाद कहा, 'मैं अपने खेल से संतुष्ट हूं विशेषकर तब जबकि मैं पिछले ढाई-तीन महीने से नहीं खेल पाया हूं। अब उनका अगला मुकाबला कारेन खाचनोव और अलेक्स डि मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले ब्रिटेन के एंडी मर्रे ने तीन घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले के बाद ऑस्ट्रेलिया के क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओ कोनेल को 6-7 (4), 6-3, 7-5 से हराया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

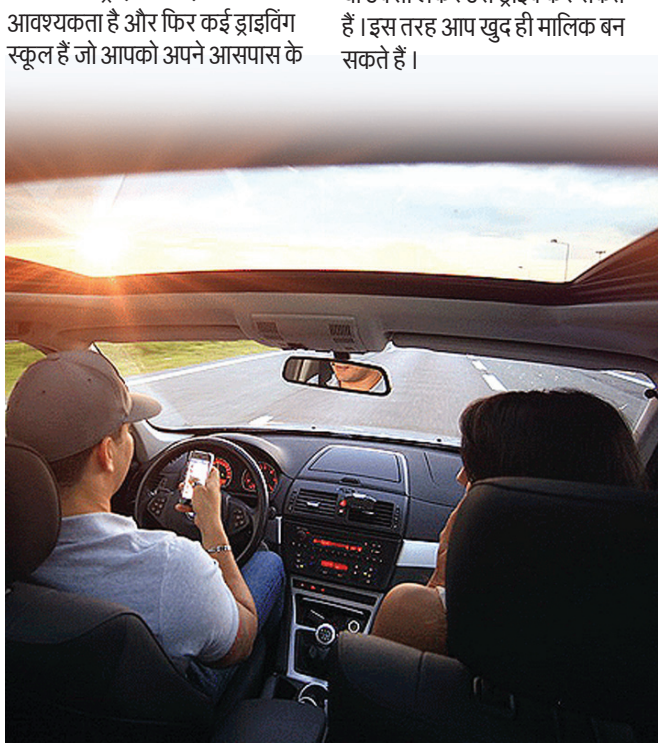

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका की घुड़की नजरअंदाज कर पूर्वी यूक्रेन में रूस ने भेजे सैनिक

मॉस्को ।

यूक्रेन-रूस के लगातार बढ़ते टकराव के चलते पूरी दुनिया की पेशानी पर चिंता की लकीरें खिंच गईं हैं। इस बीच अमेरिका की घुड़की को नजरअंदाज कर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को समर्थित क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले फरमानों पर हस्ताक्षर करने के कुछ ही घंटों बाद पूर्वी यूक्रेन के अलगाववादियों के कब्जे वाले हिस्सों में सैनिकों को भेजने का आदेश दिया है। रूस के रक्षा मंत्री क्रेमलिन ने इसे शांति व्यवस्था मिशन का नाम दिया है, लेकिन अमेरिका सहित कई अन्य देशों ने यूक्रेन पर हमले की आशंका जताई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई अमेरिकी और पश्चिमी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस का यह कमद यूक्रेन के खिलाफ एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत हो सकती है। सोमवार रात एक भाषण में पुतिन ने पश्चिम के साथ कीव के बढ़ते सुरक्षा संबंधों की आलोचना की। साथ ही यूएसएसआर के इतिहास और यूक्रेनी समाजवादी सोवियत गणराज्य के गठन के बारे में लंबी टिप्पणियों में यूक्रेन के आत्मनिर्णय के अधिकार पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने देश के पूर्वी हिस्से को प्राचीन रूसी भूमि कहते हुए कहा, यूक्रेन की कभी भी अपने राज्य की परंपरा नहीं रही है। पुतिन के फरमानों ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में दो अलग-अलग क्षेत्रों डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर और एलपीआर) पर मास्को की आधिकारिक मान्यता से अवगत कराया। फरमानों ने उन्हें स्वतंत्र राज्यों के रूप में मान्यता दी और रूसी सैनिकों के साथ उनकी सुरक्षा की गारंटी दी। फरमानों में कहा गया है कि रूसी तथाकथित शांति सेना को क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुतिन का भाषण रूसी लोगों के लिए युद्ध को सही ठहराने के लिए था। यह एक संप्रभु और स्वतंत्र यूक्रेन के विचार पर हमला है।

अधिकारी ने कहा, एक और रूसी आक्रमण और कब्जे की मानवीय लागत विनाशकारी होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने मंगलवार तड़के राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि रूस की कार्रवाई देश की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन करती है और यूक्रेन की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं ऐसी ही रहेंगी। ज़ेलेंस्की ने अपने वीडियो संबोधन में कहा, हम अपनी जमीन पर हैं।

पुतिन को लेकर टीवी डिबेट में भिड़े सांसद और पत्रकार, दोनों के बीच खूब मारपीट

कीव ।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी विवाद का असर टीवी चैनलों पर भी देखने को मिल रहा है। कुछ दिनों पहले यूक्रेन में न्यूज चैनल पर टीवी कार्यक्रम के दौरान पत्रकार और रूस समर्थक राजनेता के बीच झगड़ा हो गया। पुतिन पर आयोजित डिबेट के दौरान पत्रकार ने राजनेता के चेहरे पर मुक्का मार दिया जिसके बाद दोनों में मारपीट शुरू हो गई। यह झगड़ा रूस समर्थक पार्टी के सांसद नेस्टर शुफ्रीच और पत्रकार यूरी बुटुसोव के बीच हुआ। संभावित हमले के लिए रूसी सैनिकों को सीमा पर इकट्ठा करने के लिए पुतिन की निंदा करने से इनकार करने के बाद डिबेट में शामिल राजनेता के साथी गेस्ट ने उन पर हमला कर दिया। बुटुसोव चलकर शुफ्रीच के पास आए और उनके चेहरे पर मुक्के मारकर उनका चेहरा लहूलुहान कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको इस घटना को देख रहे थे। कुछ देर बाद शुफ्रीच लड़ने के लिए खड़े हुए,लेकिन बुटुसोव ने उनका सिर अपनी बाजुओं के बीच दबा लिया। इसके बाद दोनों स्टूडियो की जमीन पर ही गिर गए। यह नजारा देखकर अन्य मेहमान दोनों को अलग करने के दौड़े। आखिर में मेहमानों ने दोनों को अलग कर दिया और सात्विक शस्टर के फीडम ऑफ स्पीच टॉक शो पर चर्चा दोबारा शुरू हो गई। शुफ्रीच से पूछा गया था कि क्या पुतिन एक हत्यारे और अपराधी हैं? इस पर उन्होंने जवाब देने से इनकार करते हुए कहा कि यूक्रेन के अधिकारियों को इससे निपटने दें। यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति ने उन्हे फटकार लगाकर कहा था कि यहां स्टूडियो में एक रूसी एजेंट है। पुतिन ने यूक्रेन के विद्रोही इलाकों डोनेट्स्क और लुहान्स्क की आजादी को मान्यता दे दी जिसने रातों-रात पूरी दुनिया की चिंता को बढ़ा दिया है।

इसके तुरंत बाद पुतिन ने दोनों क्षेत्रों में सेना तैनात करने का आदेश दे दिया। संयुक्त राष्ट्र ने इन आदेशों की निंदा की है। वहीं अमेरिका मॉस्को पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

शराब के नशे में धुत महिला फ्लाइट में पहुंची, पुलिस कर्मी को जड़ा थप्पड़, हुई सजा

लंदन ।

लंदन हवाई अड्डे पर शराब के नशे में धुत एक महिला ने पुलिस अधिकारी पर मेकअप बैग से हमला किया और थप्पड़ जड़ दिया। दरअसल, उसे फ्लाइट के अंदर मास्क पहनने के लिए कहा गया था। महिला हेलिंसकी से लंदन आई थीं। इस महिला ने सहयात्रियों को भी परेशान किया। ये मामला पिछले साल क्रिसमस का है। इस मामले में महिला पर कोर्ट की ओर से जुर्माना लगाया गया है। ये घटना फिनएयर की फ्लाइट में घटी थी। कुल मिलाकर जब ये घटना घटी तो महिला शराब के नशे में बुरी तरह धुत थी।

उन्होंने फ्लाइट के अंदर वाइन की भी मांग की, जबकि उनको दो वाइन की छोटी बोतल पहले ही दी जा चुकी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस महिला की पहचान 28 साल की लोट्टा केप्पनिन के तौर पर हुई है। वह ब्रिस्टल की रहने वाली है। वह पिछले साल क्रिसमस की शाम को हेलिंसकी से लंदन आई थीं। आइलवर्थ क्राउन कोर्ट के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान सामने आया कि लोट्टा से 15 से ज्यादा बार केबिन क्रू के सदस्यों ने मास्क पहनने को कहा था, जो कि फ्लाइट में यात्रा के दौरान पहनना अनिवार्य है। लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं सुनी। इस दौरान पुलिस कांस्टेबल मनीष पटेल भी फ्लाइट में पहुंचे। यहां लोट्टा उन पर भी भड़क गईं और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

कोर्ट में इस मामले में जो सुनवाई हुई, उसमें सामने आया कि उन्होंने पुलिस का बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया। जब उनसे पासपोर्ट मांगा गया तो वह और हिंसक हो गईं। इस दौरान उन्होंने मेकअप बैग पुलिस अधिकारी के मुंह पर जड़ दिया। इस मामले में लोट्टा पर 1 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया।

गायिका और अभिनेत्री केके व्याट 11वीं बार मातृत्व सुख पाने को तैयार

लॉस एजेलिस ।

हॉलीवुड की मशहूर गायिका और अदाकारा केके व्याट 11वीं बार मातृत्व सुख पाने के लिए तैयार हैं। उनके पहले से ही 10 बच्चे हैं। केके व्याट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रेग्नेंसी फोटोशूट की एक तस्वीर शेयर की। इसमें उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। केके व्याट ने तस्वीर के साथ लिखा है, मेरे पति जकारिया डेविड डेरिंग और मैं यह अनाउंस करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं कि व्याट फैमिली में एक और बच्चा आने वाला है। यह 11वां बच्चा होगा। केके व्याट और जकारिया डेविड की 2018 में शादी हुई थी। इससे पहले केके व्याट की दो बार शादी टूट चुकी थी। केके व्याट ने 18 साल की उम्र में अपने रोड मैनेजर रहमत मोर्टन से शादी की थी, लेकिन कुछ साल बाद दोनों के बीच घरेलू हिंसा और मारपीट की खबरें आने लगीं। 2009 में केके व्याट ने रहमत से अलग होने का फैसला किया और तलाक की अर्जी दी। रहमत और केके व्याट 3 बच्चों के पैरेंट्स हैं। तलाक के एक साल बाद यानी 2011 में केके व्याट ने माइकल जमार फोर्ड से शादी की। माइकल से केके व्याट को 3 बच्चे हुए। केके व्याट ने माइकल के साथ मिलकर अपने सभी 6 बच्चों की परवरिश की। 2017 तक आते-आते केके व्याट 8 बच्चों की मां बन चुकी थीं। इसके बाद अगस्त 2018 में केके व्याट ने रहमत मोर्टन से भी तलाक ले लिया।

उसी साल अक्टूबर में केके व्याट उसी साल अक्टूबर में केके व्याट ने बचपन के दोस्त और एक्स-बॉयफ्रेंड जकारिया डेरिंग से शादी कर ली। यह केके व्याट की तीसरी शादी थी। जकारिया से केके व्याट को 2 बच्चे हुए और अब वह एक और बच्चे की मां बनने वाली हैं। यह केके व्याट का 11वां बच्चा होगा।

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं ने टीकों को लेकर बढ़ाई हिचकिचाहट

लंदन । एक अध्ययन में सामने आया है कि सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं ने टीका लगवाने के लिए हिचकिचाहट को बढ़ावा दिया है और टीकों से लाभ-हानि को लेकर गलत छवि बनाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने टीका लगवाने को लेकर हिचकिचाहट को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क (डीटीयू) के बार्के मॉन्सटेड ने कहा टीके के समर्थक जब भी ट्विटर पर टीकों के बारे में जानकारी साझा करते हुए समाचार मीडिया और विज्ञान संबंधी साइटों का हवाला देते हैं तो हम देख सकते हैं कि टीकों का विरोध करने वालों से जुड़े प्रोफाइल्स उन यूट्यूब वीडियो और साइटों का लिंक ज्यादा साझा करते हैं, जिन्हें फर्जी खबरें और साजिश वाली धारणाएं फैलाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि टीके की विरोधी प्रोफाइल अक्सर उन वाणिज्यिक साइटों से जुड़ी होती हैं, जो वैकल्पिक स्वास्थ्य उत्पाद बेचती हैं। यह हैरानी की बात है कि टीकों को लेकर हिचकिचाहट हितों के वित्तीय टकराव के डर से निकलती है। मॉन्सटेड ने कहा पहले के अध्ययन से पता चलता है कि वैकल्पिक स्वास्थ्य उत्पादों की बिक्री से कमायी करने वाले लोग टीकों को लेकर गलत सूचना फैलाने के जिम्मेदार होते हैं। हाल में प्रकाशित इस नए अध्ययन में कोरोना महामारी से पहले के करीब 60 अरब ट्वीट्स का विश्लेषण किया गया। मॉन्सटेड ने कहा हमने पाया कि सोशल नेटवर्क में लोग सूचना का जो स्रोत चुनते हैं, वह टीके के प्रति उनके अपने रुख पर काफी हद तक निर्भर करता है।

दो साल बाद घर का दरवाजा तोड़कर पहुंची पुलिस ने बरामद किया महिला का कंकाल

लंदन । यह घटना ब्रिटेन के लंदन शहर की है। एक बिल्डिंग में रहने वाले कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि पड़ोस के एक घर से बदबू आ रही है, लेकिन पुलिस ने उनकी बात को अनसुना कर दिया। दो साल बाद की गई एक अन्य शिकायत के बाद पहुंची पुलिस ने उस घर का दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश किया, तो उसने वहां से एक डेडबाडी बरामद की जो पूरी तरह से डिस्पोज हो चुकी थी। ताला तोड़कर जब पुलिस अधिकारी घर के अंदर दाखिल हुए तो उनके होश उड़ गए। अंदर एक महिला की डेडबॉडी पड़ी थी, जो पूरी तरह कंकाल में बदल चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने बताया कि उसने सितंबर 2019 में ही पुलिस से इस मामले की शिकायत कर दी थी और तभी से यहां बदबू आ रही थी।

पुतिन ने पूर्वी यक्रेन के डोनेट्स्क व लुहान्स्क को दी अलग देश की मान्यता, अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप

मॉस्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रे के डोनबास क्षेत्र में विद्रोहियों के कब्जे वाले शहरों डोनेट्स्क और लुहान्स्की को अलग देशों के रूप में मान्यता दे दी है। पुतिन ने डोनेट्स्क और लुहान्स्की को अलग देश के तौर पर मान्यता देने के ऐलान के साथ ही अलगाववादी नेताओं के साथ मित्रता और सहायता से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। पुतिन ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन का नाटो में शामिल होने रूस की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन परमाणु हथियार बनाने का प्रयास कर रहा है। अपने संबोधन में पुतिन ने अमेरिका और नाटो पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा यूक्रेन कठपुतली की तरह चलने वाला एक अमेरिकी उपनिवेश बन गया है। अमेरिका और नाटो ने मिलकर यूक्रेन को युद्ध का मैदान बना दिया है। पुतिन ने आगे कहा कि यूक्रेन अपने आप में सक्षम नहीं है, इसलिए अमेरिका जैसे अन्य देशों पर निर्भर रहता है। यूक्रेन में अमेरिकी दूतावास वहां बहुत कुछ कंट्रोल कर रहा है। पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन के पास पश्चिमी हथियारों का बड़ा स्टॉक भर गया है। पुतिन ने यूक्रेन की परमाणु हथियार की योजना को लेकर भी चिंता जाहिर की। इससे पहले व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने जानकारी दी थी कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन व्हाइट हाउस में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक कर रहे हैं। यह टीम उन्हें रूस और यूक्रेन के घटनाक्रम के बारे में नियमित रूप से जानकारी दे रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थित क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने पर विचार-विमर्श करने के लिए शीर्ष अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। राष्ट्रपति की सुरक्षा परिषद की बैठक ऐसे समय पर बुलाई गई, जब पश्चिमी देशों को इस बात का डर है कि रूस किसी भी समय यूक्रेन पर हमला कर सकता है और वह पूर्वी यूक्रेन में झड़पों को, हमले करने के लिए बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है। इससे पहले, यूक्रेन के अलगाववादी नेताओं ने टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान के जरिए रूस के राष्ट्रपति से अनुरोध किया था ।

नार्थ कोरिया में कुत्ते पालना कानून के विरुद्ध, खाद्यान संकट से निपटने किया फैसला

प्योंगयॉग । नार्थ कोरिया में कुत्ते पालना कानून के विरुद्ध माना जाएगा। यह फैसला खाद्यान संकट से निपटने के लिए किया गया है। दरअसल, कोरोना महामारी ने उत्तर कोरिया में भारी खाद्य संकट पैदा कर दिया है, जिसका नतीजा है कि लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है और किम जोंग-उन ने उस गुस्से को शांत करने के लिए ऐसे क्रूर निर्देश दिए हैं। किम जोंग उन ने पालतू कुत्तों को रखने को कानून के खिलाफ घोषित कर दिया। हालांकि, किम ने निर्देश के पीछे भी तर्क दिया उनका दावा है कि पालतू कुत्ते (उत्तर कोरिया में प्रतिबंधित पालतू कुत्ते) वर्ग भेदभाव का एक रूप हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार किम का दावा है कि आम लोग मवेशी रखते हैं केवल अमीर लोग ही घर में पालतू जानवर रखते हैं। किम ने भी कुत्ते के कपड़ों की तुलना पूंजीवाद और बुर्जुआ विचारधारा से की है। हालांकि, उत्तर कोरिया में पालतू कुत्तों पर प्रतिबंध नया नहीं है। इसी तरह के दिशानिर्देश 1980 के बाद से एक से अधिक बार जारी किए गए थे। खबरों के अनुसार, 2016 में किम की पार्टी के स्थापना दिवस से पहले पालतू कुत्ते के बाल एकत्र करने का आदेश दिया गया।

रोहिंग्या नरसंहार मामले को संयुक्त राष्ट्र की अदालत में खारिज किया जाना चाहिए : म्यांमार

हेग ।

म्यांमार के सैन्य शासकों के वकीलों ने मांग की कि रोहिंग्या नरसंहार मामले को संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में अधिकार क्षेत्र का हवाला देते हुए खारिज कर दिया जाना चाहिए। पिछले साल देश की सत्ता पर सेना के कब्जे के बाद म्यांमार का प्रतिनिधित्व करने के बारे में सवालों के बीच अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में सार्वजनिक सुनवाई चल रही है। 'नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट' नामक एक प्रतीकात्मक प्रशासन ने तर्क दिया था कि उसे अदालत में म्यांमार की ओर से प्रतिनिधित्व करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय कानूनी टीम का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री को को लाइंग ने किया था। इस 'गवर्नमेंट' में अन्य प्रतिनिधियों के अलावा वे निर्वाचित प्रतिनिधि भी शामिल थे, जिन्हें सैन्य शासकों ने सीट संभालने नहीं दिया था। उन्होंने लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू ची की जगह ली थी, जिन्होंने 2019 में मामले में पहले की सुनवाई में देश की कानूनी टीम का नेतृत्व किया था। वह अब जेल में हैं। सुनवाई शुरू होने पर अदालत के अध्यक्ष, अमेरिकी न्यायाधीश जोआन डोनोग्यू ने कहा कि अदालत के समक्ष एक विवादास्पद मामले के पक्षकार देश (स्टेट) हैं, विशेष सरकारें नहीं है। म्यांमार के एक अधिकार समूह ने सैन्य शासन को म्यांमार का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देने के अदालत के फैसले पर सवाल उठाया। 'बर्मा ह्यूमन राइट्स नेटवर्क' के कार्यकारी निदेशक क्याव विन ने एक बयान में कहा कि हमें खुशी है कि मामला आगे बढ़ रहा है लेकिन यह बहुत दुखी करने वाला है कि सेना को म्यांमार के प्रतिनिधि के रूप में अदालत के सामने पेश होने की अनुमति है। लाइंग ने अदालत से कहा कि म्यांमार के पास अदालत के अधिकार क्षेत्र और मामले की स्वीकार्यता के लिए कानूनी चुनौतियां हैं। इनमें से एक तर्क यह है कि यह मामला ऑगेनाइजेशन ऑफ इस्लामलिक स्टेट्स की ओर से गाम्बिया द्वारा लाया गया है।

श्रीलंकाई तमिल नेताओं ने तमिलनाडु के सीएम स्टालिन को पत्र लिख भारत से मांगी सहायता

कोलंबो ।

श्रीलंका में तमिल समस्या को समाधा को लेकर यहां के तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को पत्र लिखकर लंबित तमिल मुद्दे के स्थायी राजनीतिक समाधान और विवादित 13वां संशोधन लागू करने के लिए भारत से हस्तक्षेप करने की मांग की है। सप्ताहांत में स्टालिन को भेजे एक पत्र में टीएनए ने प्रवासी समूह ग्लोबल तमिल फोरम में कहा, 'तमिलनाडु ने, श्रीलंका की ओर भारतीय नीतियों को तय करने में हमेशा अहम भूमिका निभाई है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा अपनाए जाने वाले पथ प्रदर्शक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से काफी राहत मिलेगी।' श्रीलंका की मुख्य तमिल पार्टी टीएनए ने कहा कि 13वें संशोधन के द्वारा संबंधित प्रस्तावित संवैधानिक प्रक्रिया से तमिल समूह राजनीतिक रूप से और कमजोर हो सकते हैं। 13वां संशोधन भारत-श्रीलंका के बीच हुए 1987 के समझौते का परिणाम है। इस समझौते पर तत्कालीन श्रीलंकाई राष्ट्रपति जेआर जयवर्द्धने और भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। इसमें श्रीलंका में अल्पसंख्यक तमिल समुदाय को शक्तियों के हस्तांतरण का प्रावधान है। बहरहाल, श्रीलंका की सत्तारूढ़ पीपुल्स पार्टी के सिंहला बहुसंख्यक नेता द्वीपीय देश की प्रांतीय परिषद व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करने की वकालत कर रहे हैं। श्रीलंकाई सरकार ने कहा है कि उसने नए संविधान का मसौदा कानूनी जानकारों के पास भेजा है जबकि टीएनए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात करने का इंतजार कर रही है। श्रीलंका में तीन दशकों तक चला गृह युद्ध लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) प्रमुख वी. प्रभाकरण की मौत के साथ 2009 में खत्म हुआ था। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि इस संघर्ष में 80,000-1,00,000 लोग मारे गए। इस संघर्ष में विद्रोहियों ने तमिल अल्पसंख्यकों के लिए अलग राज्य बनाने की मांग की थी। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों पर युद्ध अपराध के आरोप लगाए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद का सत्र 28 फरवरी को शुरू होना है और यह एक अप्रैल को संपन्न होगा। सरकारी सूत्रों ने बताया कि श्रीलंकाई सरकार को गत सप्ताह यूएनएचआरसी की रिपोर्ट का मसौदा मिल गया है और इसका जवाब भी दे दिया गया है। विदेश मंत्री जीएल पीरीस जिनेवा में सरकार के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। श्रीलंका पर चर्चा तीन मार्च को होगी।

6 बच्चों के पिता एलन मस्क को फिर हुआ आस्ट्रेलियाई अभिनेत्री नताशा से प्यार

वॉशिंगटन । स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क अक्सर अपने वैज्ञानिकों प्रयोगों और भविष्यवाणियों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। खबर है कि एलन मस्क और ऑस्ट्रेलियाई अभिनेत्री नताशा बैसेट एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। एलन मस्क तीन बार शादी कर चुके हैं और छह बच्चों के पिता हैं। एलन मस्क के अफेयर की खबरें तब सामने आईं, जब हाल ही में उन्हें नताशा बैसेट के साथ लॉस एंजिल्स में अपने गल्फस्ट्रीम प्राइवेट जेट में यात्रा करते देखा गया। 27 वर्षीय नताशा बैसेट 50 वर्षीय एलन मस्क की दौलत के बजाय उनकी अद्भुत प्रतिभा से प्रभावित हैं। नताशा पिछले कुछ समय से एलन मस्क को फॉलो कर रही थीं। पहले दोनों अच्छे दोस्त बने और फिर अपनी पूर्व पत्नी सिंगर ग्रिम्स से अलग होने के बाद मस्क नताशा के साथ रिलेशनशिप में आ गए। नताशा बहुत खूबसूरत हैं और कोई भी पुरुष उन्हें आसानी से पसंद कर सकता है, लेकिन कहा जाता है कि उन्होंने मस्क को इसलिए पसंद किया क्योंकि वह बेहद स्मार्ट हैं और उनका साथ बेहद दिलचस्प है। एलन मस्क और नताशा पिछले कुछ महीनों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मस्क अपनी तीसरी पत्नी ग्रिम्स से सितंबर 2021 में अलग हो गए हैं। मस्क नताशा को उनके एक्टिंग करियर में सहयोग करते हैं। वह आने वाली बायोपिक एल्विस में अमेरिकी गायक की पहली गर्लफ्रेंड की भूमिका में नजर आएंगी। नताशा इस समय अपने करियर पर पूरा फोकस कर रही हैं। एलन मस्क को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा कि उनका रिलेशनशिप पब्लिक हो गया है, पर नताशा अपने दम पर प्रसिद्धि पाना चाहती हैं, न कि एलन मस्क की गर्लफ्रेंड के रूप में और इसमें मस्क उनका पूरा साथ दे रहे हैं।

चीन ने ऑस्ट्रेलियाई निगरानी विमान पर चीनी युद्धपोत से लेजर दागे जाने से इनकार किया

बीजिंग ।

चीन ने ऑस्ट्रेलिया के इस आरोप को खारिज कर दिया है कि एक चीनी युद्धपोत ने एक ऑस्ट्रेलियाई निगरानी विमान पर लेजर दागी थी। चीन ने कहा ऑस्ट्रेलिया का यह आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने सोमवार को कहा कि उन्होंने चीन सरकार से कथित रूप से 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी' (प्लान) के युद्धपोत द्वारा पिछले सप्ताह किए गए लापरवाही भरे कदम का जवाब मांगा है। मॉरिसन ने कहा कि यह बेहद खतरनाक और गैर-पेशेवर था और ऐसा करना एक पेशेवर नौसेना को लिए लापरवाही भरा कदम था और हम जवाब चाहते हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। मॉरिसन ने इस मामले की पूर्ण जांच कराए जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि चीनी प्राधिकारियों ने अभी तक उनके सवालों का जवाब नहीं दिया है। इस मामले में सवाल किए जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा हमने प्रासंगिक विभागों से पुष्टि करने के बाद पाया कि ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा जारी की गई सूचना तथ्यों पर आधारित नहीं है। उन्होंने कहा चीनी पोत समुद्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप काम करते हैं। वांग ने कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया के पक्ष से अपील करते हैं कि वह संबंधित जलक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार चीनी पोत के वैध अधिकारों का सम्मान करे और चीन के बारे में दुर्भावनापूर्ण रूप से गलत सूचना फैलाना बंद करे। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल तान केफेई ने कहा ऑस्ट्रेलियाई बयान तथ्यों से बिल्कुल मेल नहीं खाता है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने चीनी युद्धपोत द्वारा ली गई दो तस्वीरें भी बयान के साथ जारी की हैं।

उसने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया विमान चीनी युद्धपोत के बहुत निकट थे और उन्होंने उसके चारों ओर 'सोनर बोया' तैनात किए। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग ने आरोप लगाया है कि चीनी नौसेना के एक जहाज ने उसके एक निगरानी विमान पर लेजर दागी, जिससे चालक दल की जान खतरे में पड़ गई। यह घटना गुरुवार को उस समय हुई, जब पी-8ए पोसीडॉन विमान ने ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी रास्ते पर उड़ान के दौरान एक लेजर का पता लगाया। विभाग ने शनिवार को एक बयान में कहा कि लेजर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के जहाज से दागी गई। यह एक अन्य चीनी जहाज के साथ था जो टोरेस जलडमरूमध्य से होकर गुजरा। विभाग ने कहा हम गैर-पेशेवर और असुरक्षित सैन्य व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी- अवध से लेकर पूर्वांचल तक सपा बागियों से भितरघात का अंदेशा

-गठबंधन के बाद भी मिल रही कड़ी चुनौती

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा और सपा के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है अब तक तीन चरणों के लिए मतदान हो चुका है अह चौथे चरण की वोटिंग बुधवार आज होगी। लेकिन समाजवादी पार्टी के लिए मुसीबत बढ़ती जा रही है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के ही कई अपने अखिलेश यादव से नाराज हो गए हैं। यही कारण है कि नाराज पुराने कार्यकर्ताओं को पार्टी की ओर से मनाने की कवायद तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में से कई सीट है जहां नाराज पुराने कार्यकर्ता पार्टी के लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। पार्टी को भितरघात का भी सामना करना पड़ रहा है। अवध से लेकर पूर्वांचल तक ऐसी कई सीटे भी है जहां समाजवादी पार्टी से बगावत कर कई उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि कहीं ना कहीं भाजपा अपने बाकी उम्मीदवारों को साधने में कामयाब रही लेकिन अखिलेश यादव फिलहाल इस चुनौती का मुकाबला करने में विफल नजर आ रहे हैं। चौथे चरण से लेकर सातवें चरण तक सबसे ज्यादा बागी उम्मीदवार समाजवादी पार्टी के हैं। कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने गठबंधन किया है लेकिन उसे अपने ही कड़ी चुनौती देते नजर आ रहे हैं। कई ऐसे सीट है जहां समाजवादी पार्टी के बागी इस्तीफा देकर बीएसपी या फिर कांग्रेस से चुनावी मैदान में है। इतना ही नहीं, कई तो निर्दलीय चुनाव में ताल ठोक रहे हैं। उदाहरण के लिए अयोध्या के रुदौली सीट की बात कर लेते हैं यहां से पूर्व विधायक अब्बास अली रुश्दी ने सपा से इस्तीफा देकर बीएसपी का दामन थाम लिया। फिलहाल वह यहां से समाजवादी पार्टी को कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी के लिए एक दिक्कत यह भी है कि कई सीटों पर उसने हाल में ही भाजपा से आए नेताओं को मैदान में उतारा है जबकि कई सीटों पर ओमप्रकाश राजभर की पार्टी से गठबंधन हुआ है। ऐसा ही कुछ हाल बीकापुर का है जहां अनूप सिंह बागी होकर निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं। समाजवादी पार्टी के कुछ ऐसे नेता जो बागी होकर बीएसपी से चुनाव लड़ रहे हैं उनमें टांडा से शबाना खातून, मरियाहूं सीट से श्रद्धा यादव, श्रावस्ती से पूर्व विधायक मोहम्मद रमजान और फाजिलनगर सीट पर पूर्व जिला अध्यक्ष इलियास अंसारी शामिल हैं आपको बता दें कि फाजिलनगर से हाल में ही समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को अखिलेश यादव ने टिकट दिया है। कई नेताओं का आरोप है कि उन्होंने 25 से 30 सालों तक पार्टी के लिए निष्ठा से काम किया। लेकिन बदले में उनका दावा है कि पार्टी ने बाहर से आए लोगों को महत्व दिया और अपने लोगों को किनारे करने की कोशिश की।

कोर्ट ने समीर वानखेड़े की अर्जी पर शीघ्र सुनवाई करने से किया इनकार, कहा- नहीं है बेहद जरूरी मामला

मुंबई ।

बंबई हाई कोर्ट ने मंगलवार को इस बात पर नाराजगी जाहिर की कि एनसीबी मुंबई जोन के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े की ओर से एक दिन पहले दायर की गई याचिका को अदालत की मंजूरी के बिना सुनवाई के लिए कैसे सूचीबद्ध कर दिया गया। न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह कोई बेहद जरूरी मामला नहीं है। वानखेड़े 2008 बैच के आईआरएस अधिकारी हैं और उन्होंने सोमवार को एक याचिका दायर की थी जिसमें ठाणे आबकारी कलक्टर के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत नवी मुंबई में वानखेड़े के रेस्तरां और बार में शराब परोसने के लाइसेंस को रद्द कर दिया गया था। वानखेड़े ने रद्द किये गए लाइसेंस को बहाल करने का अनुरोध करते हुए याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति पटेल ने कहा, हमारे पास सोमवार को इस याचिका का उल्लेख नहीं किया गया था तब आज इसे सूचीबद्ध कैसे किया गया? वानखेड़े की वकील वीणा थडानी ने अदालत को बताया कि वह सोमवार को इस मामले का उल्लेख किए जाने की प्रतीक्षा कर रहे थे लेकिन अदालत के अधिकारियों ने कहा कि इसे मंगलवार को सूचीबद्ध किया जाएगा। इसके बाद पीठ ने अदालत के अधिकारियों को ऐसा नहीं करने की चेतावनी दी। न्यायमूर्ति जामदार ने कहा, एक गरीब व्यक्ति याचिका दायर करता है और मामला कभी सुनवाई के लिए नहीं आता और जब कोई प्रभावशाली व्यक्ति याचिका दायर करता है तो उसकी याचिका सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध कर दी जाती है। पीठ ने पूछा, इसमें ऐसी क्या बेहद जरूरी बात थी? कौन सा आसमान टूट रहा था? इस मामले में प्रतिवादी एवं महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक की ओर से पेश हुए वकील फिरोज भरुचा ने याचिका की एक प्रति मांगी और उसका जवाब देने के लिए समय मांगा। भरुचा ने कहा, मंत्री के विरुद्ध गलत आरोप लगाए गए हैं। अदालत ने कहा कि उक्त याचिका पर तत्काल सुनवाई नहीं होगी और बाद में इस पर सुनवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति पटेल ने कहा, केवल इसलिए कि आप दोनों (वानखेड़े और मलिक) के बीच मीडिया में वाक्युद्ध चल रहा है, हमें तत्काल सुनवाई करनी होगी? याचिका में वानखेड़े ने दावा किया है कि उन्होंने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई इकाई के प्रमुख रहते हुए मलिक के रिश्तेदार को गिरफ्तार किया था।

करोना पड़ा सुस्त, दो साल बाद स्कूलों में लौटी रौनक, बच्चे उत्साहित

जम्मू । महामारी कोरोना के लगातार सुस्त पड़ने के साथ सामान्य होते जनजीवन के बीच अब ज्यादातर राज्यों ने स्कूलों और कालेजों को खोल दिया है। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने भी चरणबद्ध तरीके से शैक्षणिक संस्थानों को खोलने का फैसला लिया है। इसी कड़ी में जम्मू के ज्यादातर क्षेत्रों में सोमवार को करीब 2 साल बाद कक्षाओं में ऑफलाइन पढ़ाई शुरू हो गई। एक हफ्ता पहले ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने इस बात का ऐलान किया था कि अब विद्यालयों को चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा। ऑफलाइन पढ़ाई की वजह से अब जम्मू प्रांत के अधिकांश विद्यालयों और कॉलेजों में छात्रों के भीड़ एक बार फिर से देखने को मिली। छात्र दोबारा से स्कूल पहुंचकर काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। साफ-सुथरी ड्रेस पहने छात्र स्कूल कॉलेज वापस आकर अपनी खुशी व्यक्त कर रहे हैं। एक छात्र ने बताया कि अभी तक हम ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहे थे लेकिन अब हमारा कॉलेज खुल गया है। अपने दोस्तों और शिक्षकों के बीच लंबे अंतराल के बाद वापस आकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। प्रभासाक्षी ने कुछ विद्यार्थियों और शिक्षकों से भी बातचीत की। एक शिक्षक ने बताया कि यह हमारे लिए किसी त्योहार से कम नहीं है क्योंकि हमारे छात्र अपनी कक्षाओं में वापस आ गए हैं। दोबारा से स्कूल कॉलेज खोलने का निर्णय लेने के लिए हम प्रशासन के आभारी हैं। छात्रों को उनकी कक्षा में स्वागत करते हुए कॉलेज के प्रचार में अभिभावकों को आश्वासन दिया है ।

कोर्बेवैक्स कोरोना वैक्सीन आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी

नई दिल्ली । देश में कोविड से लड़ने के लिए बच्चों को एक और हथियार मिलने जा रहा है। भारत में कोर्बेवैक्स कोरोना वैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है। इस 12 से 18 साल के बच्चों को लगाया जाएगा। हालांकि, सरकार ने अभी तक 15 साल से कम उम्र वालों को टीका लगाने पर कोई फैसला नहीं लिया है। यानी इससे छोटे बच्चों पर मंजूरी के बाद टीके को लगाया जाएगा। बता दें कि कोरोना की तीसरी लहर भले मंद पड़ गई हो, लेकिन आगे भी कोविड कभी परेशान ना करे, इस लेकर मोदी सरकार के द्वारा कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से मंजूरी पाने वाला कोर्बेवैक्स तीसरा टीका बन गया है जिस बच्चों को लगाया जाएगा। इससे पहले जाइडस कैडिला के जायकोव-डी और भारत बायोटेक के कोवैक्सीन को मंजूरी दी गई थी। कोर्बेवैक्स को बायोलॉजिकल ई लिमिटेड कंपनी ने बनाया है।यह पहला ऐसा स्वदेशी टीका है, जो कोरोना से लड़ने वाला रिसेप्टर बाइडिंग डोमिन (आरबीडी) सब-यूनिट वैक्सीन है।वैक्सीन को मंजूरी मिलने पर बायोलॉजिकल ई लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर महिमा डाल्टा ने खुशी जाहिर की है। बता दें कि 3 हजार लोगों पर हुए ।

ब्यूटी विद ब्रेन सुष्मिता सेन के मुरीद हुए धर्मेंद्र, जमकर सराहा, बोले- एक हिम्मतवर महिला

मुंबई ।

ब्रह्माड़ सुंदरी का खिताब पा चुकी बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री सुष्मिता सेन ब्यूटी विद ब्रेन का शानदार मिश्रण हैं। पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन हमेशा अपनी पर्सनेलिटी और अपने बेबाक अंदाज से लाखों लोगों को प्रेरणा देती हैं। प्रशंसक जितना सुष्मिता सेन की फिल्में और वेब सीरीज पसंद है करते हैं उतना ही सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरों और वीडियो को भी भरपूर प्यार देते हैं। हालांकि सुष्मिता सेन की लेटेस्ट तस्वीर अपने आप में बेहद खास है। सुष्मिता की इस तस्वीर पर खुद लेजंडरी एक्टर धर्मेंद्र ने जमकर प्रशंसा की है। सुष्मिता सेन ने अपने ऑफिशियल ट्विटर पर अपनी एक लेटेस्ट सेल्फी अपलोड की है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, नाचती हुई लाइट्स, बैगनी रंग और रिफ्लेक्टिंग माउंटेन, खूबसूरत यात्रा को सेल्फी में कैद करते हुए। ट्रेवल करते वक्त ली गई सुष्मिता सेन की इस सेल्फी पर खुद बॉलीवुड के वीरू यानि धर्मेंद्र ने बेहद प्यार भरा रिएक्शन दिया है। इस फोटो पर धर्मेंद्र ने सुष्मिता सेन के लिए लिखा, एक नेक रूह, और हिम्मतवर खातून (महिला), तुम्हें मेरा ढेर सारा प्यार। इसके अलावा धर्मेंद्र ने ये भी लिखा कि, इतनी स्नेही और प्यार भरी बातें पढ़ कर मुझे बहुत अच्छा लगता है, जीते रहो। दरअसल सुष्मिता सेन ने ट्विटर अकाउंट पर एक सेल्फी अपलोड की है जिसमें वो ब्लू कलर की जैकेट और सिर पर पिंक कलर का स्टोल डाले हुए नजर आ रही हैं। चेहरे पर काला चश्मा और कॉन्फिडेंस उनकी खूबसूरती पर चार चांद लगा रहा है। सुष्मिता सेन के ट्विटर एकाउंट पर धर्मेंद्र का यह रिएक्शन देखकर फैंस भी बेहद खुश हैं। दरअसल बॉलीवुड में धर्मेंद्र एक ऐसे एक्टर है जो आज इस उम्र में भी नई पीढ़ी के लिए इंस्पिरेशन हैं। वह जब भी किसी कलाकार की पॉजिटिव नजरिया देखते हैं तो उसे अप्रिशिएट करने से पीछे नहीं हटते। सुष्मिता के इस पोस्ट पर

फैंस के भी बेहद प्यारे रिएक्शंस देखने को मिल रहे हैं। एक फैन ने लिखा बेहद खूबसूरत बंगाली बाला काश मैं कभी आपसे मिल पाऊं तो दूसरे फ्रेंड ने लिखा कि आपकी छवि सभी अभिनेत्रियों से बिल्कुल अलग हैं। आपको देखकर पॉजिटिव थिंकिंग नजर आती है।

तेलंगाना एनएसयूआई इकाई प्रमुख गधा चोरी के मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद ।

कांग्रेस पार्टी की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के तेलंगाना अध्यक्ष बलमूरी वेंकट नरसिंह राव को पुलिस ने गधा चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने कोर्ट में 15 दिनों की रिमांड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। राव का कहना है कि उन्हें मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के चलते यह कार्रवाई की गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, करीमनगर में जम्मीकंता पुलिस ने राव को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को केसीआर के जन्मदिन पर बलमूरी ने एनएसयूआई के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन के दौरान गधे से केक कटवाया था। उन्होंने गधे के चेहरे के साथ मुख्यमंत्री की तस्वीर भी लगाई थी। इसके अलावा समूह ने कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मामले की तस्वीरें भी साझा की थी, जिसके बाद टीआरएस के शहर अध्यक्ष तंगुतुरी राजकुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने दावा किया था कि गधे की चोरी की गई थी। हालांकि, बलमूरी ने दावा किया उन्होंने गधा किराए पर लिया था, जिसका उन्होंने भुगतान भी किया। वहीं, पुलिस का कहना था कि वह चोरी का था। बलमूरी के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, आईटी अधिनियम समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया था।

पुलिस ने उन्हें शुक्रवार को हुजुराबाद कोर्ट में पेश किया और 15 दिनों की रिमांड की अपील की थी।

नडडा का आरोप, आतंकवादियों की रक्षा करने की शपथ लेते हैं अखिलेश यादव

देवरिया ।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि ''वह संविधान की रक्षा के लिए नहीं बल्कि 'आतंकवादियों' की हिफाजत के लिए ईश्वर की शपथ लेते हैं। नड्डा ने अखिलेश पर अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में पूर्व में हुई कई वारदातों में शामिल आतंकवादियों से मुकदमे वापस लेने का आरोप लगाकर कहा, बाकी लोग संविधान की रक्षा के लिए ईश्वर की शपथ लेते हैं,लेकिन अखिलेश कहते हैं कि मैं ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं आतंकवादियों की रक्षा करूंगा। उन्होंने कहा, पिछले शुक्रवार को 38 लोगों को अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में सजा-ए-मौत हुई है। उनमें एक व्यक्ति मोहम्मद सैफ के पिता शादाब अहमद सपा के कार्यकर्ता हैं और अखिलेश के साथ गले मिलकर काम कर रहे हैं। क्या आप इसतरह के लोगों को चुनाव में आगे बढ़ाएंगे। नड्डा ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर भी निशाना साधकर कहा, ÷प्रियंका गांधी ने आतंकवाद के मामले पर कहा कि यह फुजूल की बात है। उनके पिता राजीव गांधी के जीवन का अंत आतंकवादियों के हाथ हुआ मगर उनके लिए आतंकवाद फुजूल का मुद्दा है। नड्डा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य से माफिया राज और गुंडाराज समाप्त कर दिया है और देशद्रोहियों को जेल में डाला है। नड्डा ने कहा कि पांच साल पहले आजम खान, मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद आतंक फैलाते थे मगर पिछले पांच साल से यह तीनों जेल में गुल्ली डंडा खेल रहे हैं।'

सपा की आस्था आतंकवादियों के प्रति, जबकि भाजपा ने यूपी में गरीबों का कल्याण किया : योगी

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया है। अखिलेश यादव पर हमला करते हुए योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि समाजवादियों की आस्था आतंकवादियों के प्रति है जबकि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में गरीबों का कल्याण किया। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी आतंकियों के साथ है। वे नहीं चाहते कि राज्य का विकास हो। भाजपा की डबल इंजन सरकार राम राज्य की स्थापना के लिए काम कर रही है। प्रदेश में भाजपा मजबूत और स्थिर सरकार देगी। उन्होंने कहा कि जिन आतंकवादियों ने अयोध्या में राम मंदिर पर हमला किया था सपा ने सत्ता में आने के बाद सबसे पहले उन आतंकवादियों पर दर्ज़ मकुदमों को वापस लेने का शर्मनाक काम किया था। समाजवादी पार्टी का हाथ आतंकवादियों के साथ। उनकी संवेदना आतंकवादियों के प्रति हैं। योगी ने कहा कि पेशेवर माफिया 4.5 वर्षों तक बिलों के अंदर दुबके थे, चुनाव की घोषणा के बाद फिर से बाहर आकर धमकीबाज बन गए। हमने कहा कि थोड़े दिन और इनकी गर्मी रहने दो 10 मार्च के बाद सब शांत हो जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस अयोध्या के राम मंदिर का निर्माण कर सकती थी? क्या बसपा ऐसा कर सकती थी? क्या बबुआ कर सकते थे? क्या रामभक्तों पर गोली चलाने वाले इसे बनवाएंगे? क्या राम मंदिर में ताला लगाने वाले बनाएंगे? इसका निर्माण कौन कर रहा है? बीजेपी की डबल इंजन सरकार कर रही। योगी ने दावा किया कि जब हम अयोध्या की पांचों सीटें जितेंगे तो उत्तर प्रदेश में 325 सीटों का समर्थन भाजपा को प्राप्त होगा। 325 सीट का मतलब एक मज़बूत और दमदार सरकार होगी। इससे पहले योगी ने कहा कि कहा कि प्रदेश सरकार ने अपना एक नया ब्रांड बनाया है- एक्सप्रेस-वे के लिए भी बुलडोजर उपयोगी है और माफियाओं पर चलाने के लिए भी। राजधानी लखनऊ की पूर्व और उत्तर विधानसभा प्रत्याशियों के लिए आयोजित जनसभाओं में योगी ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि ये दिन में सोते हैं और सपना देखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को सपना उन्होंने कहा कि प्रदेश को सपना देखने वाले नहीं संकल्पों के साथ आगे बढ़ाने वाली सरकार चाहिये। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपना एक नया ब्रांड बनाया है- एक्सप्रेस-वे के लिए भी बुलडोजर उपयोगी है और माफियाओं पर चलाने के लिए भी।

पीएमजेजेबीवाई पॉलिसी धारको को एलआईसी आईपीओ आवंटन में मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली। देश के शेयर बाजार में धूम मचाने अगले महीने सबसे बड़ी बीमा कंपनी का एलआईसी का सबसे बड़ा आईपीओ आ रहा है। सरकारी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम शेयर बाजार में अपना आईपीओ लेकर आ रही है, ऐसा पहली बार होगा, जब एलआईसी अपने शेयरों का एक बड़ा हिस्सा निवेशकों के लिए खोलेगी। इस आईपीओ में सब्सक्रिप्शन के लिए कंपनी एलआईसी के कर्मचारियों और पॉलिसीधारकों को छूट भी देगी। लेकिन ताजा जानकारी के मुताबिक अगर आप प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के भी बीमाधारक हैं, तो आपको भी फायदा होगा। दरअसल, एलआईसी के अध्यक्ष एम आर कुमार ने बताया है कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बीमाधारकों को भी आईपीओ में छूट मिलेगी। कुमार ने सोमवार को कहा कि पीएमजेजेबीवाई के बीमाधारक उसके आईपीओ में छूट के हकदार होंगे। उन्होंने कहा कि 'पीएमजेजेबीवाई उसका हिस्सा है और उनके (बीमाधारकों) लिए आईपीओ में आरक्षण होगा। बता दें कि पीएमजेजेबीवाई की शुरुआत 2015 में हुई थी और इसके तहत 18 से 50 वर्ष के सभी बैंक बचत खाताधारकों को दो लाख रुपये के जीवन बीमा की पेशकश की जाती है। इसके लिए वार्षिक प्रीमियम राशि 330 रुपए है। इस सरकारी योजना की पेशकश एलआईसी के जरिए की जाती है। पिछले सप्ताह दायर की गई विवरण पुस्तिका (रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) के अनुसार एलआईसी के पात्र बीमाधारकों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में आरक्षण दिया जाएगा, जिसके तहत प्रति व्यक्ति अधिकतम बोली राशि दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगी। डीआरएचपी में कहा गया कि जिन लोगों के पास बोली खुलने की तारीख तक एलआईसी की एक या अधिक पॉलिसी हैं ।

संक्षिप्त समाचार

आपने 2014-17-19 में भाजपा को जिताया, अब 2022 में जिताकर बाउंड्री लगाने का काम करो : अमित शाह

प्रतापगढ़ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवे चरण के लिए चुनाव प्रचार का घमासान छिड़ा है सभी दलों ने प्रचार में झोंक दी है। पांचवें चरण के लिए मतदान 27 फरवरी को होगी। इसी क्रम में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहराइच में जनसभा को संबोधित करेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के स्टार प्रचारक अमित शाह यूपी के प्रतापगढ़ में जनसभा को संबोधित करते नजर आए। प्रतापगढ़ की रानीगंज विधानसभा में जनसमूह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि अखिलेश यादव अच्छे गेंदबाज़ नहीं है। अगर गेंदबाज़ फुलटॉस गेंद डाल दे तो बल्लेबाज़ को चौका लगाना चाहिए या नहीं लगाना चाहिए। आप ने 2014, 2017, 2019 में भाजपा को जिताया। अब 2022 में जिताकर बाउंड्री लगाने का काम करो। अमित शाह ने कहा कि 2014, 2017 और 2019 में उत्तर प्रदेश की महान जनता ने भाजपा को जिताने का काम किया है। नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भाजपा सरकार गरीबों, पिछड़ों और दलितों की सरकार है। ये समाजवादी पार्टी वाले तब मजाक उड़ा रहे थे। अखिलेश बाबू, हम हिसाब देने आए हैं और आपका हिसाब मांगने भी आए हैं। सपा-बसपा-कांग्रेस का तीन चरणों में सूपड़ा साफ हो गया है। 300 से ज्यादा सीटों के साथ उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने 1.67 करोड़ माताओं-बहनों को गैस कनेक्शन दिया है। फिर से एक बार भाजपा सरकार बना दीजिए, माताओं-बहनों को होली और दीपावली को मुफ्त गैस सिलेंडर देने का काम भाजपा सरकार करेगी। स्वच्छ भारत के तहत योगी जी ने उत्तर प्रदेश में 2.61 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय बनाने का काम किया है। ये बुआ-भतीजा ने यूपी पर 15 साल राज किया, गरीबों के लिए कभी शौचालय नहीं बनाया।

पन्ना की रत्नगर्भा खदान ने उगला 26.11 कैरेट का कीमती हीरा, कीमत 1.2 करोड़ रुपए

पन्ना । मध्य प्रदेश की रत्नगर्भा धरती में पन्ना जिले की खदान में खनन के दौरान बेशकीमती हीरा मिला है। जानकारी के अनुसार छोटे पैमाने पर ईंट भट्ठा व्यवसाय चलाने वाले एक शख्स को एक उथली खदान में 26.11 कैरेट का हीरा मिला है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पन्ना के हीरा अधिकारी रवि पटेल ने कहा कि नीलामी में कीमती पत्थर 1.20 करोड़ तक मिल सकता है। अधिकारी ने बताया, कि पन्ना कस्बे के किशोरगंज निवासी सुशील शुक्ला और उसके साथियों को सोमवार को हीरा कृष्णा कल्याणपुर इलाके के पास स्थित खदान में मिला। उन्होंने कहा, कि हीरे को एक दो दिनों में नीलामी के लिए रखा जाएगा और इससे होने वाली आय सरकारी रॉयल्टी और करों की कटौती के बाद खनिक को दी जाएगी। किराए की जमीन पर छोटे पैमाने पर ईंट भट्ठा व्यवसाय चलाने वाले सुशील शुक्ला ने संवाददाताओं से कहा, कि वह और उनका परिवार भी पिछले 20 वर्षों से हीरा खनन कार्य में शामिल थे, लेकिन यह पहली बार था जब उन्हें इतना बड़ा रत्न मिला है। शख्स ने कहा, कि उसने उथली खदान, जहां हीरा मिला था, 5 भागीदारों के साथ लीज पर ली थी। सुशील शुक्ला ने आशा व्यक्त करते हुए कहा, कि रत्न से 1.2 करोड़ से अधिक की आय होगी, उन्होंने कहा, मैं हीरे की नीलामी के बाद मिलने वाले धन का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने में करूंगा। राज्य की राजधानी भोपाल से 380 किमी दूर स्थित पन्ना जिले में अधिकारियों के अनुसार, भंडार में 12 लाख कैरेट के हीरे होने का अनुमान है।मैं हीरे की नीलामी के बाद मिलने वाले धन का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने में करूंगा। राज्य की राजधानी भोपाल से 380 किमी दूर स्थित पन्ना जिले में अधिकारियों के अनुसार, भंडार में 12 लाख कैरेट के हीरे होने का अनुमान है।

'इंस्टाग्राम' स्टार किली पॉल को तंजानिया में भारतीय उच्चायोग ने किया सम्मानित

नई दिल्ली । भारतीय गीतों के बोल गुनगुनाते हुए (लिप-सिंकिंग) वीडियो बनाने के लिए मशहूर, तंजानिया के सोशल मीडिया स्टार किली पॉल को तंजानिया में भारतीय उच्चायोग ने सम्मानित किया। तंजानिया में भारतीय उच्चायुक्त, बिनाया प्रधान ने तस्वीर साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। तस्वीर में प्रधान भारतीय दूतावास कार्यालय में पॉल को सम्मानित करते नजर आ रहे हैं। प्रधान ने ट्वीट किया, आज, तंजानिया भारतीय उच्चायोग में एक खास मेहमान किली पॉल आए...जिन्होंने भारतीय फिल्मों के मशहूर गीतों पर अपने वीडियो से लाखों भारतीयों के दिल जीत लिए हैं...। पॉल ने भी इंस्टाग्राम पर भारतीय उच्चायोग का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, भारतीय उच्चायोग, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। फिल्म 'शेरशाह' के गीत 'रातां लंबिया' के बोल गुनगुनाते हुए पॉल का एक वीडियो पिछले साल सुर्खियों में था। वीडियो में वह अपनी बहन नीना पॉल के साथ नजर आए। उसके बाद से ही पॉल इंस्टाग्राम पर खासे लोकप्रिय हो गए और सोशल मीडिया मंच पर उनके करीब 22 लाख प्रशंसक हैं। आयुष्मान खुराना, गुल पनाग और ऋचा चड्ढा सहित कई लोकप्रिय भारतीय फिल्मी हस्तियों का नाम उनके प्रशंसकों की सूची में शुमार है। आयुष्मान खुराना, गुल पनाग और ऋचा चड्ढा सहित कई लोकप्रिय भारतीय फिल्मी हस्तियों का नाम उनके प्रशंसकों की सूची में शुमार है। उनके प्रशंसकों की सूची में शुमार है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

संक्षिप्त समाचार

भाजपा का आरोप, अखिलेश के चार यार, गुंडे, आतंकी, माफिया और भ्रष्टाचार

लखनऊ । उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच भाजपा ने फिर से आतंकवाद को लेकर अखिलेश पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के सह प्रभारी और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सपा और अखिलेश यादव पर बड़ा आरोप लगाया। साथ ही अनुराग ने नारा देकर कहा कि अखिलेश के चार यार, गुंडे, आतंकी, माफिया और भ्रष्टाचार। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा अखिलेश से इन चार चरणों के मतदान के दौरान कई सवाल पूछे हैं, उनकी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची में जेल वाले जमानत वाले लोग हैं लेकिन वे उन पर पूरी तरह से चुप हैं। अनुराग ने दावा किया कि रंगेश-अखिलेश का खेल फिर देश के सामने आया है, आतंकी और अखिलेश का कनेक्शन सामने आया है, जेल-बेल और अखिलेश का कनेक्शन सामने आया है, दलित बेटी का अपहरण और अखिलेश की पार्टी के नेता का खेल भी सामने नजर आया है। इससे पहले योगी ने अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि जिन आतंकवादियों ने अयोध्या में राम मंदिर पर हमला किया था सपा ने सत्ता में आने के बाद सबसे पहले उन आतंकवादियों पर दर्ज मकुदमों को वापस लेने का शर्मनाक काम किया था। सपा का हाथ आतंकवादियों के साथ हैं, उनकी संवेदना आतंकवादियों के प्रति हैं।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक कास्टिंग डायरेक्टर समेत 4 लोगों को किया गिरफ्तार

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा से जुड़े पोर्नोग्राफी केस में मंगलवार को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मुंबई के वर्सोवा और बोरीवली इलाके से 4 लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें राज की कंपनी से जुड़ा एक कास्टिंग डायरेक्टर भी बताया जा रहा है. राज कुंद्रा को इस केस में बीते साल 20 सितंबर को जमानत मिली थी. इस मामले में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अदालत के सामने राज कुंद्रा और उनके सहयोगी रायन थोर्प के खिलाफ 1500 पन्नों की चार्टशीट दाखिल की थी और आरोप लगाया है कि वे दोनों इस पोर्नोग्राफी रैकेट के मुख्य सरगना हैं. जिन चारों पर मॉडल्स से जबरदस्ती पोर्न फिल्म शूट कराने का आरोप है उन गिरफ्तार चारों आरोपियों के नाम 1) नरेश कुमार रामअवतार पाल 2) सलीम गुलाब सैयद 3) अब्दुल गुलाब सैयद और 4) अमन सुभाष बरनवार है। राज कुंद्रा को पिछले साल 19 जुलाई की देर रात मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पोर्नोग्राफिक फिल्म रैकेट केस में गिरफ्तार किया था. इससे पहले उनके घंटों तक पूछताछ की गई थी. अगले दिन यानी 20 जुलाई को राज के आईटी सहयोगी रायन थोर्प को भी गिरफ्तार किया था. राज की गिरफ्तारी के बाद कुछ वॉट्सएप चैट सामने आई थी जिनसे ये खुलासा हुआ कि राज ने पोर्न मूवीज बनाने के कारोबार से अच्छी कमाई की है. पुलिस के मुताबिक राज इन फिल्मों से हर दिन तकरीबन 8 लाख तक कमाई करते थे. बीते दिनों खबर आई थी कि राज कुंद्रा ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के नाम 5 फ्लैट ट्रांसफर किए हैं. खबर के मुताबिक, राज कुंद्रा ने मुंबई में अपने बंगले 'किनारा' के पूरे फर्स्ट फ्लोर को पत्नी शिल्पा शेट्टी कुंद्रा के नाम कर ट्रांसफर कर दिया है, जिसमें 5 फ्लैट हैं. इस प्रॉपर्टी की कीमत 38.5 करोड़ बताई जा रही है. उनका यह बंगला समुद्र तट से लगभग 300 मीटर की दूर पर बना हुआ है. बता दें कि राज कुंद्रा का असली नाम रिपु सूदन कुंद्रा है. इस समय शिल्पा और राज कुंद्रा इसी बंगले में रहते हैं।

चुनाव मणिपुर

यह चुनाव मणिपुर के अगले 25 सालों का भविष्य तय करेगा : पीएम मोदी

एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''डबल इंजन की सरकार ने पूरी ईमानदारी से मणिपुर के विकास का प्रयास किया है और बड़ी ''मेहनत से आगामी 25 साल के लिए उसके विकास की एक ''ठोस नींव तैयार की है। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि पिछले पांच साल में राज्य में स्थिरता और शांति बहाल करने करने की जो प्रक्रिया शुरु हुई है, उसे अब स्थयित्व देना है और इसके लिए भाजपा की सरकार बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा, ''पिछले महीने मणिपुर ने अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए। इस अवधि में राज्य की जनता ने बहुत सारी सरकारें देखीं और उनके कामकाज देखे। लेकिन कांग्रेस शासन के दशकों बाद भी मणिपुर को असमानता और असंतुलित विकास ही मिला। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्ष में राज्य की जनता ने भाजपा का ''सुशासन और विकास के प्रति उसका ''नेक इरादा भी देखा है। मणिपुर में रैली के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि, कांग्रेस ने इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी के विकास और सुधार पर कभी काम नहीं किया। हमने जो कहा वो हमने किया। म्यांमार-थाईलैंड को जोड़ने वाला राजमार्ग पूरा होने के बाद मणिपुर पूर्वी एशिया संपर्क का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाएगा।

यह चुनाव आने वाले 25 साल का भविष्य निर्धारित करेगा

उन्होंने कहा, ''बीते पांच साल में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने मणिपुर के विकास का पूरी ईमानदारी से प्रयास किया है। हमने जो मेहनत की है, उसने आने वाले 25 साल की एक ठोस नींव बनाई है। इसलिए यह चुनाव आने वाले 25 साल का भविष्य निर्धारित करेगा। प्रधानमंत्री ने पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं का आह्वान किया कि वे इस बार के चुनाव में ''कमल का बटन दबाएं क्योंकि वे सरकार के एजेंडे में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। मोदी ने कहा, ''स्थिरता और शांति की जो प्रक्रिया इन पांच सालों में शुरु हुई है, उसे अब हमें स्थयित्व देना है।

इसलिए मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बननी आवश्यक है।

विजयन ने दक्षिणी राज्य के खिलाफ योगी की कथित अपमानजनक टिप्पणियों को अनुचित करार दिया

तिरुवनंतपुरम । यूपी विधानसभा चुनाव प्रचार में भाजाप के पक्ष में प्रचार के दौरान सीएम योगी ने दक्षिणी राज्य के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों पर केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन असहमति जताते हुए एस अनुचित करार दिया है। विजयन ने कहा कि राजनीतिक हितों के कारण ये टिप्पणियां की गयीं। विजयन ने कहा कि उनका मानना है कि किसी मुख्यमंत्री के लिए दो राज्यों की तुलना करना उचित नहीं है और इसलिए वह इस मुद्दे की गहराई में नहीं जाना चाहते। विजयन ने राज्य विधानसभा में कहा, केरल विभिन्न क्षेत्रों में कहीं आगे है और राज्य ने जो वृद्धि हासिल की है वह अद्वितीय है। उनकी टिप्पणियों को राजनीतिक हितों के साथ की गई अनुचित टिप्पणियों के तौर पर देखा जा सकता है। गौरतलब है कि इस महीने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करते हुए एक वीडियो संदेश में आदित्यनाथ ने मतदाताओं को आगाह किया था कि अगर उन्होंने चुनावों में कोई गलती की तो उत्तर भारतीय राज्य जल्द ही कश्मीर, पश्चिम बंगाल या केरल बन सकता है। आदित्यनाथ पर पलटवार करते हुए विजयन ने कहा था कि अगर उत्तर भारतीय राज्य केरल की तरह वृद्धि करता है तो लोगों को शांति और रहन-सहन की बेहतर परिस्थितियां मिलेगी। केरल के मुख्यमंत्री ने आदित्यनाथ को टैग करते हुए ट्वीट किया था, अगर उत्तर प्रदेश केरल जैसा हो जाता है, जिसका डर योगी आदित्यनाथ को है, तो देश की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा, समाज कल्याण, उच्च जीवन स्तर और सौहार्द्रपूर्ण समाज को उत्तर प्रदेश में स्थापित किया जा सकेगा, जहां जाति और धर्म के नाम पर लोगों की हत्या नहीं होगी। उत्तर प्रदेश की जनता यही चाहती है। उत्तर प्रदेश की जनता यही चाहती है। उत्तर प्रदेश की जनता यही चाहती है।

कांग्रेस, सपा और भाजपा ने दबे-कुचले वर्गों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया : मायावती

बहराइच ।

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने भाजपा, सपा और कांग्रेस को दलितों और पिछड़ों की विरोधी करार देकर दावा किया कि इन तीनों ही पार्टियों ने समाज के दबे-कुचले वर्गों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। मायावती ने कांग्रेस पर निशाना साधकर मायावती ने कहा कि कांग्रेस दलितों और आदिवासियों के हितों का सिर्फ नाटक करती रही है और अपनी गलत नीतियों के कारण कांग्रेस आज देश और कई राज्यों से सत्ता से बाहर हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बाबा साहेब (भीमराव आंबेडकर) को भारत रत्न नहीं दिया, जबकि उनके मिशन को आगे बढ़ाने वाले कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मंडल आयोग की सिफारिशों को भी लागू नहीं किया था। इस मौके पर सपा पर कड़ा प्रहार करते हुए मायावती ने कहा, सपा सरकार में दंगाइयों और गुंडों का बोलबाला रहा। सपा एक विशेष क्षेत्र और विशेष समुदाय के लिए काम करती है।'' उन्होंने कहा कि सपा सरकार में दंगों के चलते तनाव की स्थिति बनी रहती है और उसने दलित बिरादरी के महापुरुषों के नाम पर बनी शैक्षिक संस्थाओं एवं जिलों के नाम बदल दिए थे।वहीं मायावती ने कहा केंद्र और उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इशारे पर चलने वाली पार्टी है और उसने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और मुस्लिमों के लिए चलाई गई योजनाओं को बंद कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में पात्र लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि 2007 में उसकी सरकार बनने पर रोजगार के लिए बाहर गए लोग वापस लौटे थे और बसपा ने लोगों को नौकरियां दी थी।

सड़कों पर मानवरहित बैरिकेड्स लगाए जाने से परेशान होती है जनता : हाईकोर्ट

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सड़कों पर मानवरहित बैरिकेड्स लगाने का कोई उद्देश्य नहीं है। इससे जनता को परेशानी होती है। न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को शहर में बैरिकेड्स लगाने के लिए अपनाए गए प्रोटोकॉल को प्रस्तुत करने को कहा। हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र का स्वत- संज्ञान लिया, जिसे दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में कई सड़कों पर मानव रहित बैरिकेड्स लगाने के खिलाफ कार्रवाई करने के अनुरोध को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट को भेजा गया था। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा ओम प्रकाश गोयल (जिन्होंने पत्र लिखा था) द्वारा उठाए गए मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि सड़कों पर इन मानवरहित बैरिकेड्स का प्रथमदृष्टया कोई उद्देश्य नहीं है और वास्तव में इससे बड़े पैमाने पर जनता को असुविधा होती है। इस तरह के बैरिकेड्स का इस्तेमाल कियोस्क लगाने और वाहनों की पार्किंग के लिए भी किया गया है।

दिल्ली एम्स में इलाज के बाद शिमला वापस लौटे जयराम ठाकुर

शिमला । मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर दिल्ली में इलाज करवाकर शिमला लौट आए हैं। शिमला पहुंचने पर अनाडेल हवाई पट्टी पर भाजपा नेताओं व प्रशासन के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। चार दिन पहले अचानक तबीयत बिगडने के बाद डाक्टरों की सलाह पर उन्हें दिल्ली शिफ्ट किया गया था। जय राम ठाकुर को इससे पहले शिमला के आईजीएमसी अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया था। जहां चेक अप के बाद डाक्टरों ने उन्हें एम्स दिल्ली भेजा। जहां उनका उपचार किया गया और स्वस्थ होने के बाद मंगलवार को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया दिया गया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया 17 फरवरी को रक्तचाप की परेशानी के कारण इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल (आइजीएमसी) शिमला में टेस्ट करवाने के बाद चिकित्सकों की सलाह पर वह एम्स में उपचार के लिए गए थे। आज सुबह वहां उन्हें छुट्टी मिली, उसके बाद सीएम सीधे शिमला पहुंचे। अनाडेल में भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया।

केंद्रीय कर्मचारियों को होली पर सरकार दे रही 10,000 रुपये की सौगात

नई दिल्ली । केंद्रीय कर्मचारियों की इस होली पर बल्ले-बल्ले होने वाली है। रंगों के इस त्योहार पर सरकार उन्हें बड़ा तोहफा दे सकती है। महामारी के इस दौर में इस तोहफे से उनके और उनके परिवार के लिए यह त्योहार काफी खास बन सकता है। दरअसल, सरकार स्पेशल फेस्टिवल एडवांस स्कीम देने की घोषणा कर सकती है। इसमें केंद्र सरकार एडवांस स्कीम के तहत केंद्रीय कर्मचारियों को 10,000 रुपये देने का प्रावधान कर सकती है। इसका मतलब है कि इस होली के मौके पर केंद्रीय कर्मचारी 10,000 रुपये बतौर एडवांस ले सकते हैं। इसमें खास बात है कि केंद्रीय कर्मचारियों को इस रकम पर किसी ब्याज का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। इसकी आखिरी तारीख 31 मार्च 2022 हो सकती है यानी इस तारीख तक ही केंद्रीय कर्मचारी एडवांस ले सकते हैं। पिछले साल भी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए इसकी घोषणा की थी। त्योहारों के लिए दिया जा रहा यह एडवांस प्री लोडेड होगा। केंद्रीय कर्मचारियों के खाते में यह पैसा पहले से ही दर्ज होगा। उन्हें सिर्फ खर्च करना होगा। केंद्रीय कर्मचारियों को इस बात की सहूलियत भी दी जा रही है कि इन पैसों की वापसी 10 किस्तों में कर सकते हैं। महज 1,000 रुपये की मासिक किस्तों में इसका मिली जानकारी के मुताबिक, फेस्टिवल एडवांस स्कीम के तहत करीब 4,000-5,000 करोड़ रुपये के आंवटन की घोषणा हो सकती है।

हिमाचल में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के खोले जाएंगे तीन नए शाखा कार्यालय : बिक्रम सिंह

शिमला ।

उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ने कहा कि शिमला, कांगड़ा और बिलासपुर जिला में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के तीन नए शाखा कार्यालय खोले जाएंगे। यह जानकारी उन्होंने क्षेत्रीय बोर्ड कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआईसी) निगम की 40वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने कहा कि इन तीन शाखा कार्यालयों के लिए भारत सरकार ने सैद्धांतिक अनुमति प्रदान कर दी है। उद्योग मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में शीघ्र ही कर्मचारी राज्य बीमा निगम का मेडिकल ट्रिब्यूनल भी गठित किया जाएगा। यह मामला राज्य सरकार के प्रक्रियाधीन है।

उन्होंने कहा शिमला जिला में ईपीएफओ के तहत पंजीकृत संस्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां ईएसआईसी व्याप्त नहीं है। इन संस्थानों को भी ईएसआईसी के तहत लाया जाएगा। उन्होंने कहा कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा प्रदेश में प्रदान की जा सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। निगम द्वारा उद्योगों में कार्यरत्त कामगारों की सुविधा के लिए हर माह 15 तारीख को विभिन्न उद्योग परिसरों में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने ईएसआईसी के अधिकारियों को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बिक्रम सिंह ने लाभार्थियों को समयबद्ध ईएसआईसी पंजीकरण सुविधा प्रदान करने और विभिन्न संस्थानों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने के निर्देश भी दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव आरडी धीमान, निदेशक स्वास्थ्य सुरक्षा एवं विनियम सुमित खिमटा, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ अनिता महाजन, उप निदेशक सह सदस्य सचिव क्षेत्रीय बोर्ड संजीव कुमार, राज्य चिकित्सा अधिकारी ईएसआईसी डॉ अमित शालिवाल, वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक ईएसआईसी डॉ सुनील दत शर्मा, बीबीएन उद्योग संघ के अध्यक्ष राजेंद्र गुलेरिया, बोर्ड के सदस्य और मजदूर संघों के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परमबीर सिंह के विरुद्ध जांच रोकेगी महाराष्ट्र सरकार

नई दिल्ली ।

देश की सर्वोच्च अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को राज्य के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के विरुद्ध कदाचार एवं भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच 'रोकने' का आदेश दिया। न्यायमूर्ति एसके कॉल और न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश की एक खंडपीठ ने कहा कि मामले के घालमेल की स्थिति से 'पुलिस व्यवस्था में लोगों का विश्वास अनावश्यक रूप से डगमगा सकता है।' महाराष्ट्र के वकील ने शीर्ष अदालत से जांच 'रोकने' के निर्देश को रिकॉर्ड में दर्ज नहीं करने का अनुरोध किया, तो पीठ ने मामले में उनका आश्वासन मांगा। पीठ ने कहा, 'हमने अब मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है, जांच पूरी होने से समस्या हो सकती है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दारियस खंबाटा ने जांच फिलहाल रोकने का आश्वासन दिया है। हम उनका आश्वासन रिकॉर्ड में दर्ज करते हैं।' शीर्ष अदालत ने पक्षकारों से मामले के संबंध में लिखित सार दाखिल करने को कहा और मामले की आगे की सुनवाई के लिए नौ मार्च की तारीख तय की। अदालत ने मामले में घालमेल की स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण परिदृश्य है। पीठ ने कहा, 'इससे अनावश्यक रूप से पुलिस व्यवस्था में लोगों का विश्वास डगमगा सकता है। कानून की प्रक्रिया को एक तरीके से चलाया जाना चाहिए।' केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से अदालत में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एक प्रतिवेदन दाखिल किया, जिसमें कहा गया कि सभी मामलों की जांच केन्द्रीय जांच एजेंसी से कराना सभी के हित में है। मेहता ने कहा, 'एक बार जांच शुरू होने के बादज्उसे बीच में रोकना उचित नहीं है। राज्य को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए।

धर्मनिरपेक्ष और मुस्लिम एकजुट हो जाएं तो खत्म हो जाएगा भाजपा का अस्तित्व : डॉ अयूब

संत कबीरनगर । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक बार फिर अपनी किस्मत आजमा रहे 'पीस पार्टी' के अध्यक्ष डॉ अयूब ने मंगलवार को कहा कि धर्मनिरपेक्ष और मुस्लिम मतों में बंटवारे के लिए समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा)और कांग्रेस जिम्मेदार हैं। अगर ये तीनों दल साथ आ जाएं तो 90 फीसदी मतों का बंटवारा नहीं होगा। 'यूनाइटेड डेमोक्रेटिक एलायंस' (यूडीए) के बैनर तले 'पीस पार्टी', 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। यूडीए के तहत मौलाना आमिर रश्दी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय उलेमा परिषद, कुर्मी समाज के डॉ बीएल वर्मा के नेतृत्व वाली किसान पार्टी, श्याम सुंदर चौरसिया की जनहित किसान पार्टी, मोहम्मद शमीम के नेतृत्व वाली नागरिक एकता पार्टी जैसे छोटे दलों ने गठबंधन किया है। पीस पार्टी, राष् ट्रीय उलेमा परिषद और असदुद्दीन ओवैसी नीत ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) जैसे दलों के मैदान में आने से मुस्लिम मतों का बंटवारा होने और इसका फायदा भाजपा को मिलने के सवाल पर डॉ अयूब ने कहा असल में भाजपा को जिताने के लिए जिम्मेदार पीस पार्टी और ओवैसी की पार्टी नहीं, बल्कि कांग्रेस, सपा और बसपा हैं, क्योंकि'धर्मनिरपेक्ष' मतों के साथ-साथ मुस्लिम मतों का बंटवारा भी यही लोग कर रहे हैं। अगर ये एक साथ आ जाते तो स्थिति ऐसी नहीं होती। पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बड़हलगंज के डॉ। अयूब ने 'पीस पार्टी' की स्थापना 2009 लोकसभा चुनाव के दौरान की थी और 2012 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने चार सीटों पर जीत दर्ज की थी। डॉ। अयूब खुद संत कबीरनगर जिले की खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते थे। बाद में उनकी पार्टी टूटी और तीन विधायकों ने डॉ अयूब को विधानमंडल दल के नेता पद से हटाकर अखिलेश सिंह को नेता बना दिया। सन 2017 में पार्टी एक भी सीट जीत नहीं सकी। पीस पार्टी ने 2017 में 68 सीट पर चुनाव लड़ा था और उसे केवल 1।56 प्रतिशत वोट ही मिले थे। डॉ अयूब ने अपने एक साक्षात्कार में पीस पार्टी के टूटने के सवाल पर कहा 2012 में पीस पार्टी के उभार से सपा, सपा, कांग्रेस और भाजपा डर गई थी, यही सच्चाई है। तब उन दलों ने सोचा कि अगर इसे रोका नहीं गया तो उनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। धर्मनिरपेक्ष' और मुस्लिम मत एकजुट हो जाएंगे तो भाजपा का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। बसपा, कांग्रेस और भाजपा डर गई थी, यही सच्चाई है। तब उन दलों ने सोचा कि अगर इसे रोका नहीं गया तो उनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। धर्मनिरपेक्ष' और मुस्लिम मत एकजुट हो जाएंगे तो भाजपा का अस्तित्व खत्म हो जाएगा।

जबाबदेही किसी की, जनता माँग जवाब